संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -165 सोमवार ,17 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

सुपुर्द-ए-खाक किया गया अतीक और अशरफ का शव

» दो बेटों की मौजदूगी में दफनाया

प्रयागराज ,16 अप्रैल 2023 (ए)। गैंगस्टर अतीक अहमद के शव का की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ चुका है। जबकि उसके भाई अशरफ की पीएम रिपोर्ट का इंतजार है। दोनों शवों का रविवार दोपहर बाद पोस्टमार्टम किया गया था। पीएम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शवों को प्रयागराज के कसारी मसारी कब्रिस्तान भेजा गया। जहां अतीक और अशरफ के शव के सुपुर्दे खाक की प्रक्रिया पूरी गई।

अतीक और अशरफ के शव के सुपुर्दे खाक की प्रक्रिया के दौरान अतीक के बेटे और बहनें मौजूद रहीं। अतीक और अशरफ के सुपुर्दे खाक की पूरी प्रक्रिया के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था गई। पूरी तरह से जांच परख करने के बाद गैंगस्टर के करीबियों को उसके शव के नजदीक जाने दिया गया।

चकिया के कसारी-मसारी में हुए सुपुर्दे खाक

अतीक और अशरफ के शव को दफन करने के लिए प्रयागराज के कसारी मसारी के कब्रिस्तान में कब्र खोदी गई। दोनों शवों के पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपर्द कर दिया गया था। वहीं शनिवार को ही अतीक अहमद के बेटे असद को भी इसी कब्रिस्तान में दफन किया गया था, जो झांसी में यूपी एसटीएफ के साथ एनकाउंटर में मारा गया था।

अतीक-अशरफ के तीनों हमलावरों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को मारने वाले तीनों आरोपियों को प्रयागराज कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा दिया है। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटर अरुण मौर्य, सन्नी सिंह और लवलेश तिवारी को प्रयागराज की अदालत में पेश किया गया था।

बीती रात टीवी कैमरों के सामने अतीक और अशरफ की हत्या कर दी गई थी। पुलिस और पत्रकारों की मौजूदगी में अतीक और उसके भाई अशरफ पर आरोपियों ने मिलकर जमकर गोलियां बरसाई थी। इस चौंकाने वाले घटनाक्रम के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया है। प्रयागराज के कुछ इलाकों में इंटरनेट को बंद कर दिया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री उच्चस्तरीय बैठकें कर रहे हैं।

अतीक के सुपुर्दे खाक में कौन- कौन था शामिल?

अतीक अहमद और अशरफ के सुपुर्दे खाक में शामिल होने के लिए कसारी-मसारी कब्रिस्तान में अतीक के छोटे बेटों के साथ उसकी बहनें भी पहुंच गई हैं। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को सुपुर्द-ए-खाक के लिए बहनोई और ससुर को सौंपा गया था। सूत्रों के मुताबिक अतीक और अशरफ को सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए कसारी मसारी कब्रिस्तान में कब्र खोदी जा चुकी है। सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र में आरएएफ और पीएसी की कई बटालियन को तैनात किया गया है। शव फिलहाल कब्रस्तान पहंचाए जा चुके हैं।

अतीक और अशरफ का पोस्टमार्टम पांच डाक्टर्स के पैनल ने किया। अतीक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार शूटआउट के दौरान उसके शरीर में कुल 8 गोलियां लगी हैं। इनमें से 1 सिर में, 1 गर्दन में, 1 छाती में और 1 कमर में लगी। वहीं अशरफ की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अनुसार इसके शरीर में पांच गोलियां लगी हैं। दोनों के शव पोस्टमार्टम के परिजनों को सौंप दिए गए हैं। शवों को सुपुर्दे खाक के लिए मोर्चरी से चकिया के कब्रिस्तान ले जाया गया।

अतीक-अशरफ की हत्या मामले की जांच करने के लिए न्यायिक आयोग का गठन

सरकार ने दिया 2 महीने का समय

उमेश पाल की हत्या के आरोपी माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में प्रदेश सरकार ने न्यायिक आयोग का गठन किया है। आयोग को अपनी जांच को पूरा करने के लिए 2 महीने का समय दिया गया है।

आयोग में तीन सदस्यों को शामिल किया गया है, जिसमें इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति माननीय अरविंद कुमार त्रिपाठी द्वितीय, उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त डीजीपी आईपीएस सुबेश कुमार सिंह एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार सोनी शामिल होंगे।

आयोग सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्य करेगा। अतीक-अशरफ हत्याकांड मामले की जांच के गठित न्यायिक आयोग के संबंध में प्रदेश के गृह विभाग द्वारा औपचारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। आयोग को जांच पूरा करने के लिए 2 महीने का समय दिया गया है। जांच पूरी करने के बाद आयोग अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगा।

न्यायिक हिरासत में भेजे के गए हत्यारोपी

वहीं, माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले लवलेश तिवारी, अरुण कुमार मौर्य और सनी को रविवार को दोपहर बाद रिमांड कोर्ट में पेश किए गए। कोर्ट ने तीनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब उक्त मामले में अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। बीते शनिवार की रात साढ़े दस बजे प्रयागराज में कॉल्विन अस्पताल के पास पुलिस हिरासत में मौजूद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या बाहरी हमलवारों ने गोली मारकर कर दी। अतीक और अशरफ के हाथ में हथकड़ी लगी हुई थी। हमलावर मीडियाकर्मी बनकर आए हुए थे। वे बाइट लेने के बहाने अतीक-अशरफ के पास पहुंचे और मौका पाकर पहले अतीक के सिर में गोली मारी और फिर अशरफ को गोली मार दी। इस हमले में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ था।

कर्नाटक में भविष्य का नेतृत्व तय करने में जुटी भाजपा

» उम्मीदवारों की क्षमता के आधार पर बनाई जाएगी रणनीति

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2023 (ए)। कर्नाटक में भाजपा के अब तक के सबसे प्रभावशाली नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येद्दयुरप्पा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी टिकट न मिलने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। एक और पूर्व उपमुख्यमंत्री के ईश्वरप्पा ने खुद ही चिट्ठी लिखकर चुनाव न लड़ने की घोषणा कर दी। दूसरी तरफ भाजपा की टिकट से लगभग चार दर्जन नए व युवा चेहरे मैदान में हैं।

भविष्य की भाजपा तैयार करने का रोडमैप

वर्तमान चुनाव जाहिर तौर पर अहम है लेकिन इसी चुनाव के जरिए भाजपा नेतृत्व ने भविष्य की भाजपा तैयार करने का भी रोडमैप तैयार कर लिया है। क्षमता का आकलन जमीन से ही शुरू होगा जिसके आधार पर भविष्य की जिम्मेदारी तय होगी। कर्नाटक न सिर्फ दक्षिण में भाजपा का अकेला मजबूत गढ़ है बल्कि पूरे दक्षिण की लड़ाई यहीं से लड़ी जाने वाली है। जिस तरह प्रदेश में जदएस सीमित होता जा रहा है उसमें भाजपा और कांग्रेस ही मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं।

विधानसभा चुनाव के एक साल के अंदर ही लोकसभा चुनाव भी है। परेशानी यह है कि येद्दयुरप्पा के बाद पार्टी में फिलहाल ऐसा कोई नेता नहीं है, जो स्थिति को नियंत्रित कर सके और जनता व कार्यकर्ताओं में जोश भर सके। वर्तमान मुख्यमंत्री बीआर बोम्मई जाहिर तौर पर इस बार चेहरा हैं लेकिन भविष्य के लिए पार्टी ऐसी युवा कतार चाहती है जो अगले 20-25 साल तक नेतृत्व दे सके।

विजयेंद्र, प्रीथम, श्रीरामुलू और नारायणस्वामी जैसे चेहरों पर नजर

येद्दयुरप्पा के पुत्र विजयेंद्र और हासन के विधायक प्रीथम गौडा ऐसे उम्मीदवार हैं जिनपर केंद्रीय नेतृत्व को ज्यादा भरोसा है। उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वह खुद की सीट के अलावा भी कम से कम आधा दर्जन सीटों पर असर दिखाएं। विजयेंद्र लिंगायत हैं और गौडा वोकालिग्गा। माना जा रहा है कि भाजपा अगर फिर से सरकार बनाने में कामयाब रही तो ये दो नाम बड़े चेहरे बनकर उभरेंगे।

खासकर विजयेंद्र पर सबकी नजर होगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में संगठन के लिए काम करते हुए उन्होंने मैसूर क्षेत्र की भी कुछ ऐसी सीटें जिताकर दी थी जो पार्टी अब तक नहीं जीत पाई थी। उन्होंने यह आत्मविश्वास भी दिखाया था कि पार्टी चाहे तो वह कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ भी लड़ सकते हैं।

गौडा में भी पार्टी ऐसा ही विश्वास देखती है, जिन्होंने हासन की किसी भी सीट से लड़ने की हामी भर दी थी। यह जदएस का गढ़ है। जबकि अनुसूचित जनजाति से आने वाले बी श्रीरामुलू और अनुसूचित जाति के ए नारायणस्वामी जैसे चेहरों की भी आजमाइश हो रही है। हालांकि नारायणस्वामी चुनाव नहीं लड़े रहे हैं लेकिन चुनाव में उनकी भूमिका अहम है।

चुनाव की कमान

दरअसल मुख्यतया लिंगायत की पार्टी मानी जाने वाली भाजपा ने इसी चुनाव से जातिगत विस्तार शुरू कर दिया है। बड़ी संख्या में वोकालिग्गा को भी टिकट दिया गया है। पिछली बार लगभग दो दर्ज सीटों पर वोकालिग्गा उम्मीदवार उतारे गए थे जबकि इस बार तीन दर्ज से ज्यादा भाजपा उम्मीदवार वोकालिग्गा हैं। चुनाव की कमान भी वोकालिग्गा नेता व केंद्रीय मंत्री शोभा करांदलजे को दी गई है जो येद्दयुरप्पा की विश्वस्त हैं। श्रीरामुलू और नारायणस्वामी जाति और जनजाति में अपना प्रभाव दिखाएंगे।

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खत्म होने पर टीएमसी ने साधी चुप्पी

आयोग के फैसले को दे सकती है चुनौती

कोलकाता ,16 अप्रैल 2023 (ए)। हर मुद्दे पर मुखर रहने वाली तृणमूल कांग्रेस आश्चर्यजनक रूप से भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा हाल ही में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीने जाने पर प्रतिक्रिया देने में चुप्पी साधे है।

मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की ओर से प्रतिक्रिया नहीं आई है। केवल वरिष्ठ तृणमूल कांग्रेस नेता सौगत रॉय ने दावा किया है कि पार्टी नेतृत्व ईसीआई के फैसले को कानूनी रूप से चुनौती दे सकती है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जब ईसीआई का फैसला गलत साबित हुआ।

रॉय ने कहा, आयोग को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार सेंसर किया है। आयोग में प्रतिनियुक्ति भेजने के अलावा, हम इस मामले में कानूनी रास्ता अपनाने पर भी विचार कर सकते हैं।

विपक्षी दलों खासकर भाजपा ने इस मामले में तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने दावा किया है कि आयोग की कार्रवाई ने ममता बनर्जी के प्रधानमंत्री बनने के सपने को तोड़ दिया है। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि विभिन्न घोटालों से कमाए गए धन से करोड़ों खर्च कर गोवा और त्रिपुरा जैसे राज्यों में अपने नेटवर्क का विस्तार करने के तृणमूल कांग्रेस के प्रयास अंततः सफल नहीं हो सके।

सोनाली फोगाट मामले में आरोपी सुधीर और सुखविंदर को राहत

हिसार ,16 अप्रैल 2023 (ए)। भाजपा नेता सोनाली फोगाट की हत्या मामले में गोवा की कोर्ट में दर्ज ड्रग मामले में आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंदर को जमानत मिल गई है। हत्या मामले में जमानत को लेकर अभी सुनवाई चल रही है। हत्या मामले में आरोपी सुखविंदर की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई है। हालांकि सुधीर ने मर्डर केस में जमानत के लिए अर्जी नहीं लगाई।

सुधीर सांगवान और सुखविंदर के क्रिमिनल लॉयर सुखवंत सिंह दांगी ने कहा कि सेशन कोर्ट ने उनके मुवक्किल की ड्रग्स मामले में जमानत स्वीकार कर ली है। कोर्ट ने अपने फैसले में सुखविंदर की भूमिका सबसे कम मानी है। उनके मुवक्किल निर्दोष है। हमने मर्डर मामले में सुखविंदर की जमानत के लिए गोवा हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। जिस पर कल सुनवाई है।

भाजपा नेता सोनाली फोगाट 23 अगस्त की सुबह गोवा के होटल में मृत मिली थी। सूचना मिलने पर सोनाली फोगाट का भाई रिंकू और जीजा अमन गोवा पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि सोनाली फोगाट के पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर ने सोनाली की हत्या की है। पुलिस की जांच में सामने आया कि सोनाली फोगाट को आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंदर ने एक होटल में ड्रग दी थी उसके बाद उसकी हालत खराब हो गई थी और उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। परिजनों की मांग पर गोवा सरकार ने मामला सीबीआई को सौंपा था। सीबीआई ने अपनी जांच के बाद चार्जशीट अदालत में पेश की थी। उसके बाद आरोपी के वकील ने सुधीर सांगवान और सुखविंदर की जमानत याचिका लगाई थी।

व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए विदेश से दवा मंगाने पर नहीं लगेगी कस्टम ड्यूटी

नई दिल्ली ,16 अप्रैल 2023 (ए)। केंद्र सरकार ने ऐसे मरीजों के लिए बड़ी राहत दी है जो दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त हैं और उनके इलाज के लिए विदेश से महंगी दवाएं मंगाई जा रही हैं। आदेश के मुताबिक, ऐसी मरीजों के व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए विदेश के लाई जाने वाली दवाओं पर कोई कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) नहीं लगेगा।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नीति 2021 में सूचीबद्ध सभी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए व्यक्तिगत उपयोग के लिए विदेश से मंगाई जाने वाली सभी दवाओं और पर बुनियादी सीमा शुल्क से पूर्ण छूट दी है। यही नियम विशेष चिकित्सा उद्देश्यों के लिए मंगाए जाने वाले खाद्य पदार्थों पर भी लागू होगा।

कैसे उठाएं छूट का फायदा

वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इस छूट का लाभ उठाने के लिए मरीज के परिजन को केंद्रीय या राज्य स्वास्थ्य सेवा निदेशक या जिले के जिला चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन से एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। बता दें, ऐसी दवाओं पर आम तौर पर 10 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगाया जाता है। जीवन रक्षक दवाओं/टीकों की कुछ श्रेणियों पर 5 प्रतिशत या शून्य की रियायती दर लगती है।

वित्त मंत्री ने माफ कर दिया 7 लाख का जीएसटी

इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक मासूम के इलाज के लिए विदेश से मंगाई गई दवा पर 7 लाख रुपए का जीएसटी माफ कर दिया। इस बारे में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वित्त मंत्री को चिट्ठी लिखी थी। मामले का संज्ञान लेते हुए वित्त मंत्री ने परिवार को यह राहत दी।

दरअसल बेबी निहारिका को हाई रिस्क न्यूरोब्लास्टोमा नामक एक दुर्लभ प्रकार के कैंसर का पता चला है। डॉक्टरों ने इंजेक्शन दीनतुक्सिमाब बीटा या करजिबा की सिफारिश की, जिसकी प्रत्येक खुराक वर्तमान में 10 लाख रुपए प्रति शीशी है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से सीबीआई ने 9 घंटे से अधिक की पूछताछ

मुख्यालय से निकले बाहर

नई दिल्ली 16 अप्रैल,(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सीबीआई मुख्यालय से साढ़े 9 घंटे के बाद बाहर निकले। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति (2022-21) घोटाला मामले में पूछताछ की। वो रविवार सुबह 11 बजे दिल्ली कैबिनेट और पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ मुख्यालय पहुंचे थे। जब सीएम केजरीवाल मुख्यालय से बाहर निकले तो उनके साथ आप कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद थे। साथ ही पूछताछ होने तक कार्यकर्ता मुख्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन करते रहे।

सीबीआई ने आंध्र प्रदेश के सीएम जगन रेड्डी के चाचा को किया गिरफ्तार

» पूर्व सांसद की हत्या से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली 16 अप्रैल,(ए)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने पूर्व सांसद विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चाचा वाईएस भास्कर रेड्डी को गिरफ्तार किया है। विवेकानंद रेड्डी आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के भाई और आंध्र प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी के चाचा थे। यह गिरफ्तारी पूर्व सांसद विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में हुई है। वह पुलीवेंदुला इलाके में स्थित अपने घर में 15 मार्च 2019 को मृत पाए गए थे।

एसआईटी ने पहले इस मामले की जांच की और जुलाई 2020 में इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, विवेकानंद रेड्डी, काडप्पा लोकसभा सीट से अपने या जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला या जगन की मां वाईएस विजयम्मा के लिए टिकट मांग रहे थे। जांच में पता चला कि 68 वर्षीय विवेकानंद रेड्डी के घर में किसी अज्ञात व्यक्ति ने घुसकर उनकी हत्या की थी। घटना के वक्त पूर्व सांसद अपने घर में अकेले थे। एसआईटी ने पहले इस मामले

की जांच की और जुलाई 2020 में इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी।

विवेकानंद रेड्डी की लोकसभा सीट कडापा से वाईएस अविनाश रेड्डी सांसद हैं, जो कि भास्कर रेड्डी के बेटे हैं। सीबीआई ने भास्कर रेड्डी को उनके पुलिवेंदुला इलाके में स्थित आवास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही भास्कर रेड्डी के समर्थक भारी संख्या में उनके आवास पहुंच गए हैं।

सीबीआई भास्कर रेड्डी को हैदराबाद लेकर गई है, जहां उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। भास्कर रेड्डी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि भास्कर रेड्डी की गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद हुई है, जिसमें कोर्ट ने सीबीआई को 30 अप्रैल तक मामले की जांच पूरी करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद ही सीबीआई ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम गठित की गई।

विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता रेड्डी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी और किसी करीबी पर हत्या का शक जताया था। बीते साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला हैदराबाद ट्रांसफर कर दिया था क्योंकि सुनीता रेड्डी ने याचिका दायर कर आशंका जताई थी कि आंध्र प्रदेश में मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो पाएगी।

संपादकीय

यूपीए रहेगा या कोई नया मोर्चा बनेगा ?

विपक्षी पार्टियों अगर लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट होती हैं तो वह एकजुटता किस बैनर के तले होगी? कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए में ही सभी पार्टियां शामिल होंगी या लोकसभा चुनाव के लिए कोई अलग मोर्चा बनेगा? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि कई पार्टियों को कांग्रेस के साथ यूपीए में शामिल होने में आपत्ति है। इतना ही नहीं कई ऐसी पार्टियां हैं, जो अब भी कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं लेकिन उस गठबंधन को यूपीए नहीं कहा जाता है। इसलिए कुछ क्षेत्रीय नेता संयुक्त मोर्चा या राष्ट्रीय मोर्चा की तर्ज पर अलग मोर्चा बनाने की बात कर रहे हैं, जिसमें कांग्रेस भी एक घटक दल हो।
अभी जो यूपीए है वह 2004 के लोकसभा चुनाव के समय बना था और उसकी कमान तभी से कांग्रेस के हाथ में है। इसमें कांग्रेस के पुराने सहयोगी घटक दल के रूप में शामिल हैं। लेकिन कई राज्यों में इससे अलग मोर्चा भी बना है। जैसे बिहार में लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल यूपीए का घटक दल है, लेकिन नीतीश कुमार की पार्टी जदयू यूपीए में शामिल नहीं है। इसलिए बिहार में सरकार बनाने के लिए जो गठबंधन बना उसे महागठबंधन का नाम दिया गया। उसमें राजद और कांग्रेस के साथ साथ जदयू, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और विकासशील इंसान पार्टी शामिल हैं। ध्यान रहे लेफ्ट की तीनों पार्टियां और हम व वीआईपी भी यूपीए के घटक नहीं हैं।
इसी तरह महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी यूपीए का घटक दल है लेकिन शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट अभी यूपीए में शामिल नहीं हुआ है। इसलिए वहां जब ये तीनों पार्टियां एक साथ आईं तो उनके मोर्चे को महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए का नाम दिया गया। वह एमवीए अब भी है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा भंग होने से पहले 2018 में राज्य की दोनों प्रादेशिक पार्टियों- पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ मिल कर सरकार बनाने की पहल की थी। लेकिन तब भी वे पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं हुईं। बाद में 2019 में जब अनुच्छेद 370 समाप्त हुआ और राज्य के नेता नजरबंद किए गए तो नजरबंदी समाप्त होने के बाद वहां गुपकर एलायंस नाम से एक गठबंधन बना। इसके अलावा कई ऐसी पार्टियां हैं, जिनके साथ तालमेल करके अलग अलग राज्यों में कांग्रेस ने चुनाव लड़ा लेकिन वो पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं हुईं। जैसे उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का 2017 के चुनाव में तालमेल हुआ था। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में सीपीएम और कांग्रेस मिल कर चुनाव लड़े थे। लेकिन यह तय है कि कम्युनिस्ट पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं होंगी।

अपराध की पराकाष्ठा

लाइव कैमरे पर हत्याः आरोपियों का स्वयंभू सरेंडर!

» रोंगटे खड़े खड़े कर देने वाली यूपी घटना से आम जनता हैरान !

» पुलिस रिमांड कस्टडी में हाई प्रोफाइल माफिया आरोपियों की मीडिया पीसी के समय हत्या से दुनियां हैरान

वैश्विक स्तरपर अपराध हर देश की भीषण समस्या बना हुआ है। दुनिया के सबसे पावरफुल देश से लेकर सबसे छोटे देश तक इस समस्या से ग्रस्त हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने 15 अप्रैल 2023 को ही गन कल्चर से संबंधित एक बयान दिया है, क्योंकि अक्सर वहां पर देखा जाता है कि भीड़ पर गोलियां चलाई जाती है,तो छोटेदेश भीआपराधिक गतिविधियों से ग्रस्त और चिंतित हैं। परंतु भारत के यूपी प्रयागराज में दिनांक 15 अप्रैल 2023 को देर रात्रि को पुलिस रिमांड कस्टडी में दो हाईप्रोफाइल माफिया आरोपी जिन पर 100 से अधिक क्रिमिनल केस दर्ज हैं, जिनके ऊपर हमले की संभावना के बारे में खुद डीजीपी यूपी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंदेशा जताया था, या जिसको छुड़ाने की साजिश में मृतक के लड़के का अंदेशा बताया गया था और उसका एनकाउंटर दो दिन पहले ही हुआ था, जिसे सुपुर्द ए खाक 15 अप्रैल 2023 को ही किया गया था और अब दो उसके पिता और चाचा आरोपी माफियाओं की हत्या पुलिस की मौजूदगी में मीडिया कर्मियों के साथ लाइव पीसी में, जिसमें अशरफ कहते सुनाई दे रहे है कि मेन बात तो यह है कि गुड्डू मुस्लिम.... फिर 3 युवकों द्वारा रोंगटे खड़े करने वाली इस स्थिति में इस तरह हत्या कर दी जो भयंकर भयावह और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, आम जनता हैरान है तो विपक्ष के एक नेता ने इसे अपराध की पराकाष्ठा बताया।मेरा मानना है कि जिस तरह से मैंने रात्रि 3 बजे तक टीवी चैनलों पर पूरेघटनाक्रम के लाइव फुटेजेस देखें और विश्लेषण किया तो मेरे जीवन में शायद यह पहली ऐसी इतनी हाई प्रोफाइल रोंगटे खड़े करने वाली, आरोपियों की लाइव हत्या देख रहा हूं। सबसे बड़ी बात फुटेजेस जिसमें पुलिस कहीं दिखाई नहीं दे रही है, जब शूटर अपने काम को अंजाम दे रहे थे तब पुलिस आसपास नहीं देखी, जब आरोपियों ने हाथ को ऊपर उठा कर सरेंडर,सरेंडर चिल्लाया तो एक पुलिस वाले ने दो आरोपियों को हाथों से जकड़ा और तीसरे अपराधी जो लेटा हुआ था उसे अन्य पुलिसकर्मियों ने दबोचा पुलिस के हाथों में हथियार नहीं दिखे और गाड़ी में बिठा कर ले गए चूंकि पूरी घटना के फुटेज मैंने टीवी चैनलों पर लाइव देखें इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अपराध की पराकाष्ठा लाइव कैमरे पर हत्या, आरोपियों का स्वयंभू सरेंडर।
साथियों बात अगर हम इस रोंगटे खड़े कर देने वाली विभीषक घटना भयंकर वारदात की करें तो ऐसी संभावना व्यक्त की जा सकती है कि चूंकि दोनों के ऊपर 100 से अधिक केस दर्ज हैं, याने ऐसा अंदाज लगाया जा सकता है या ऐसी संभावना व्यक्त की जा सकती है कि अंदाजी 500 से अधिक पीड़ित उनसे द्वेष रखते होंगे और इस घटना को अंजाम दिए जाने की संभावना है? या कोई और एंगल भी हो सकता है जो जांच का विषय है। सारी हकीकत जांच से सामने आएगी। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि यूपी में कुछ दिनों तक भयानक शब्द बाण, बयानों, आंदोलनों, विरोधों राजनैतिक शाब्दिक बाजाबाची की संभावना बनी रहेगी, जिसका असर आने वाले स्थानीय निकायों पर भी पड़ने की संभावना है और सरकार के लिए कुछ परेशानी का कारण या सबब बन सकने की संभावना है।
साथियों बात अगर हम दिनांक 15 अप्रैल 2023 को देर रात्रि हुई घटना को मैंने टीवी चैनलों पर देख कर अपनी रिपोर्ट बनाई कि, माफिया से नेता बने दो आरोपियों जिसमें हाल ही में एक मामले में उम्र कैद की सजा मिली थी, को भारी पुलिस सुरक्षा और मीडिया कर्मियों के बीच हत्या कर दी गई। इस हत्या ने देशभर में सनसनी फैला दी है।दोनों की हत्या में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पूछताछ

जारी है।तीनों हमलावर मीडिया कर्मी बनकर आए थे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे। सरेआम हत्या के बाद प्रयागराज में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। साथ ही धारा 144 भी लागू कर दी गई है। विवेचक के तौर पर यही पुलिस थानेदार ही आरोपियों को पुलिस जीप में जगह-जगह ले जाकर मेडिकल और तलाशी करवा रहे थे।शनिवार को भी उनको जिस खंडहर नुमा इलाके में ले जाकर पिस्तौल और कारतूस बरामद करवाई गई, वहां यही थानेदार ही मौजूद थे।सीएम ने हाई लेवल की मीटिंग में डीजीपी और एडीजी देर रात सीएम आवास पहुंचे हैं।
मौके पर यूपी एसटीएफ और फॉरेंसिग टीम भी पहुंच गई
सीएम के एडवाइजर भी सीएम आवास पहुंचे ।मौके पर स्वाट कमांडो भी पहुंच गए ।प्रयागराज के काल्विन हॉस्पिटल में इनका मेडिकल के लिए लाया गया था जहां पर एक बाइक पर 3 लोग सवार थे जिन्होंने करीब से गोली मारी है मौके पर तीन बंदूक भी बरामद हुई है और कारतूस भी साथी बाइक सवार एक रिपोर्टर बन कर आए थे।जिनके बाइक के पास से एक कैमरा और एक माइक आईडी भी बरामद हुआ है। सीएम ने प्रयागराज की घटना का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। सीएम ने तीन सदस्य जुडिशल कमिशन (न्यायिक जांच आयोग) के गठन के निर्देश भी दिए है। सीएम ने हाई लेवल बैठक के बाद 17 पुलिस वालो कों ससपेंड किया गया। ये कर्मी आरोपियों की सुरक्षा में तैनात थे। सूत्रों के अनुसार, प्रयागराज में इंटरनेट सेवा बंद करने का निर्णय लिया गया।इस हत्याकांड पर आलाधिकारी विशेष विमान से प्रयागराज पहुंच चुके हैं। डीजीपी स्पेशल डीजी क़ानून व्यवस्था, प्रमुख सचिव गृह देर रात तक प्रयागराज पहुंच गए है। बेटे के जनाजे पर न जाने पाने को लेकर आरोपियों का आखिरी बयान यह था कि पिता मीडिया से कहते दिखा, %नहीं ले गए, तो नहीं ले गए, मेन बात तो यह है कि गुड्डू मुस्लिम.. बस इसी दौरान सरपर गोलियों से हमला कर दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। यूपी पुलिस के डीजीपी का सख्त आदेश, अफवाह फैलाने वाले और भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई।
साथियों बात अगर हम इस घटना के संबंध में पक्ष-विपक्ष के नेताओं की टिप्पणियों और बयानों की करें तो पक्ष के नेताओं ने कहा, इतना कह सकता हूं कि अभी सरकार का पक्ष आना बाकी है, यह गैंगवार है या क्या है यह जांच के बाद ही सामने आएगा। यूपी सरकार की नीति अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस है। आधिकारिक बयान का इंतजार करना चाहिए। दूसरे ने कहा कि हम इस घटना की तह तक जाएंगे, हमने इस घटना को गंभीरता से लिया है, मुझे नहीं लगता पुलिस से कोई चूक हुई है, घटना कैमरे के सामने हुई, इसमें कुछ छिपाने की जरूरत नहीं है, उसने हत्या की आशंका इसलिए जताई थी क्योंकि वो कुख्यात अपराधी था
यूपी सरकार के मंत्री ने कहा, पाप-पुण्य का हिसाब इसी जन्म में होता है। एक सांसद ने कहा, आरोपियों की हत्या हुई है, ये निराशाजनक है।ये क्यों और कैसे हुआ ये जांच का विषय है। अपने लंबे आपराधिक काल में इन दोनों ने जाने कितनों की हत्या या अपहरण किया होगा। ये बहुत बड़ा विषय है कि इनपर किसने हमला किया है।
साथियों विपक्ष ने कहा कि, दोनों आरोपियों की हत्या पर यूपी की मुख्य क्षेत्रीय पार्टी चीफ़ ने ट्वीट किया, यूपी में अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जब पुलिस के सुरक्षा घेरे के बीच सरेआम गोलीबारी करके किसीकी हत्या की जा सकती है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या। इससे जनता के बीच भय का वातावरण बन रहा है, ऐसा लगता है कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं। संसद में प्रमुख विपक्षी दल नेता ने कहा, मैं देख रहा हूं कि आरोपियों को गोली मार दी गई, पुलिस की मौजूदगी में, यह सब कुछ समझ आ रहा है। मैं मांग कर रहा हूं कि निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, यह सभी लोग समझ रहे हैं कि क्या हुआ है। एक अन्य पार्टी के चीफ ने बयान दिया, जिस समाज में हत्यारे हीरो होते हैं, उस समाज में कोर्ट और इंसाफ के सिस्टम का क्या काम दोनों आरोपी पुलिस की हिरासत में थे, उन पर हथकड़ियां लगी हुई थीं.द्ध, दोनों की हत्या सीएम के क़ानून व्यवस्था की नाकामी है। एनकाउंटर राज का जश्न मनाने वाले भी इस हत्या के ज़िम्मेदार हैं। एक अन्य क्षेत्रीय दल के नेता ने कहा किसी की सहानुभूति आरोपियों के साथ नहीं है, लेकिन मानवीय तौर पर देखा जाए तो किसी की भी इस तरह हत्या होना ठीक नहीं है। सीएम जी को जवाब देना चाहिए कि जब एनकाउंटर होता है तो पुलिसकर्मियों की पीठ थपथपाते हैं, क्योंकि पुलिस वालों की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपराधी को सजा दिलवाएं।ग्राउंड पर कानून का कोई राज नहीं है। सीएम खुद इस तंत्र में शामिल हैं, आज उनकी खुद की जवाबदेही बनती है।
साथियों बात अगर हम यूपी में सुरक्षा व्यवस्था की करें तो संवेदनशील इलाकों में पुलिस की गश्त लगातार शुरू है। सुरक्षा एजेंसियों की चारों तरफ नजर, व्यवस्था और कानून व्यवस्था बनाने की पुरजोर कोशिश शुरू है।
अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किअपराध की पराकाष्ठा - लाइव कैमरे पर हत्या - आरोपियों का स्वयंभू सरेंडर ! रोंगटे खड़े कर देने वाली यूपी घटना से आम जनता हैरान ! पुलिस रिमांड कस्टडी में हाई प्रोफाइल माफिया आरोपियों की मीडिया पीसी के समय हत्या से दुनिया हैरान है।

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

तोहफा ए प्रेम

प्रेम में मैं भेजना चाहती हूं
एक कोमल सा एहसास।
दिल में बसे जज्बातों को
पिरोकर भेजूंगी एक खत।
फिर सोचती हूँ क्या ये
पर्याप्त रहेगा मेरे एहसास।
क्या एक खत में सिमट जाएंगे
नहीं नहीं जो लिखा जा सके।
मेरा प्रेम वो नहीं फिर क्या दूँ
तोहफा ए यार को ऐसा।
जिसका कोई मोल ना हो
जो अनमोल हो सबसे जुदा।
प्रेम को प्रेम से ज़्यादा क्या हि दूँ
पारस सा मेरा यार है क्या दे दूँ।
उसको मैं कोई भी उपहार
मैं खुद तुझको पाकर संवर गयी।
क्या गहना दूँ तुझको मेरे यार
तुझसे हि तो है मेरा श्रृंगार।
चाँद की चाँदनी फीकी है
फ़ूलों की खुशबू फीकी है।
सूरज की रोशनी फीकी है
सावन की हरियाली फीकी है।
जहां भर की खूबसूरती फीकी है
एक मेरे प्यार के सामने।
बस प्रेम को प्रेम से प्रेम लिख दूँ
तुझे उपहार में मेरा प्रेम ही दे दूँ।

श्रीमती दुर्गेश नन्दिनी नामदेव
बिलासपुर
छत्तीसगढ़

चमन में फुल खिलने लगे

चमन में फुल खिलने लगे
कलियाँ भी चटकने लगी
वादियाँ हो गई बेहद हसीन
फिंजा-फिंजा महकने लगी।
तरु-पल्लव भी सजने लगे
डालियाँ भी झूमने लगी
फूलों से श्रृंगार करने लगे
कलियाँ भी मुस्कुराने लगी।
कोयल अब कुकने लगे
पुरवाई अब चलने लगी
अमराई मे बौर आने लगे
मदमस्त फिंजा होने लगी।
रंग नारंगी, लाली, वासंती
चमन में अब निखरने लगी
पलास टेसू भी दहकने लगे
महुए की महक आने लगी।
मन में लगन तन में अगन
प्रीत आस अब जगने लगी
ऋतू-वसंत अब आने लगे
धरा-दुल्हन सी लगने लगी।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरीनारायन छत्तीसगढ़

भोले आंगन में

आज हमारे आंगन में फिर,
भोले आने वाले हैं,
खुशियों के भर-भर कर झोले,
भोले लाने वाले हैं।
आज हमारे आंगन में ....
भोले-भोले हम तो जपते,
शिव तो डमरू वाले हैं,
हमने जो-जो मांगा है,
वो भोले देने वाले हैं।
आज हमारे आंगन में ....
भोले पर जब थोड़ा-सा,
गौ का दूध चढ़ाते हैं,
भोले मेरे इतने भोले,
मनभर खुश हो जाते हैं।
आज हमारे आंगन में ...
भोले का जब नाम सुना तो,
बेल के पत्ते झुक जाते हैं,
और हवा में फूलों की,
मन भर खुशबू ले आते हैं।
आज हमारे आंगन में ..
भले भोर हो या संध्या हो,
भोले का गुणगान करो,
भोले तन-मन का संबल हैं,
बस उनका ही ध्यान धरो।
आज हमारे आंगन में ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

शिक्षाःकरोड़ों का कारोबार

स्वामी विवेकानंद जी का मानना था कि शिक्षा अन्तर्निहित पूर्णताओं को अभिव्यक्त करने की क्षमता का नाम है। शिक्षा के संदर्भ में उनकी इस मान्यता को वर्तमान में शिक्षा को कसौटी पर परखें तो लगता है मौजूदा शिक्षा प्रणाली अन्तर्निहित करोड़पति बनने के ख्वाब को पूरा करने का व्यवसायिक चक्र बन गया है।
नई शिक्षा नीति पढ़ने और विश्लेषण करने में जितनी सराहनीय लग रही है उससे अधिक सराहनीय पुरानी शिक्षा नीति भी लगी थी लेकिन परिणाम निराशाजनक ही मिले है। सरकारें जितनी नीति ले आये लेकिन जमीनी स्तर के हालात बदलने में नाकाम रही है।
शैक्षिक तंत्र और व्यवस्था किसी भी नीति को सफल बनाने बाधक सिद्ध हुई है और होती रहेगी। शिक्षा के बाधक तत्त्वों का ज्ञान सरकार को है लेकिन सरकारों की मजबूरी है सब जानते हुये भी इस व्यवस्था को बदलने की बजाय मूक रहकर नियमों को बदलकर पल्ला झाड़ लेती है।
इस शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षार्थियों पर मानसिक आघात के सिवा कुछ नहीं किया। अनेक ऐसे तथ्य है जिनसे हर आम आदमी रूबरू है लेकिन उसे प्रकट नहीं कर पाता। शिक्षा के हर स्तर की समस्या इस व्यवस्था ने नजरअंदाज कर रखी है। सरकार और उसके राजनीतिक संगठन को शिक्षा के ठेकेदारों से करोड़ो को लाभ मिलता है। इन ठेकेदारों का सरकार पर पूरा दबदबा है। शिक्षा सेवा का विषय है लेकिन आज व्यवसाय का सबसे सुरक्षित और लाभदायक क्षेत्रों में से एक है।
निजी शिक्षण संस्थाओं का बोलबाला है। मनमानी शिक्षण शुल्क है। फीस निर्धारित करने की कमेटी सिर्फ कागजों में है। गैरकानूनी तरीकों से मोटा पैसा वसूल करने पर भी किसी शिक्षण संस्थान पर आयकर विभाग छापा नहीं डालता।
जो मानदंड शिक्षको के निर्धारण करने वाले है इनमें एक भी मानदंड एक भी संस्था पूरी नहीं करती।
निजी शिक्षण संस्थानों की व्यवस्था विज्ञापन और मार्केटिंग पर निर्भर है। बड़ी - बड़ी बिल्डिंग ने शिक्षा को चकाचौंध कर रखा है। इन बिल्डिंग्स की चमक में शिक्षार्थी का दम घूटता है या नहीं इसका पता तब लगता है जब वो बड़े होकर बेरोजगारी की चपेट में आते है।
बड़े-बड़े संस्थान के आय-व्यय में इतनी अनियमितता है जो आसानी से पकड़ी जा सकती है। लेकिन राजनीतिक पार्टियों और सरकार की शह पर ये सब चल रहा है। जो वेतन सरकारी कागजों में निर्धारित है वो वेतन निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को नहीं मिल पाते है। सरकार जानबूझकर मूक दर्शक बनी है। ये संस्थान शिक्षकों का शोषण करने वाले गढ़ है।
सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के बच्चें निजी शिक्षण संस्थाओं में पढ़ते है। इन संस्थाओं के शिक्षकों को सम्मान नहीं देते । ये शिक्षक या सरकारी कर्मचारी निजी शिक्षण संस्थान में कार्यरत शिक्षकों को परले या दोयम दर्जे का आदमी समझते है। एक तरह से छुआछूत फैला है।
अनेक बड़े संस्थान अपने पूर्ण स्टाफ का रिकॉर्ड शिक्षा विभाग को नहीं देता। जितना वेतन देते है उससे अधिक वेतन रिकॉर्ड में दर्ज है। वेतन नगद देते है और ऑनलाइन वेतन भुगतान करते है वो वेतन स्वयं चेक से या एटीएम से निकाल लेते है। ये वेतन नगद वेतन से अधिक होता है। कर्मचारी के चेक एटीएम संस्था अपने पास रखती है।
उच्च शिक्षा में सबसे अधिक शिक्षक बेरोजगार है। कॉलेज वेतन समय पर नहीं देती। वेतन न्यूनतम होता है। कॉलेज सत्र अक्टूबर मध्य में शुरू करते है और फरवरी में सत्र पूरा। फरवरी से अक्टूबर तक ये कॉलेज शिक्षक क्या मक्खी मारते रहेंगे?
शिक्षा पर सबसे बड़ा कुठाराघात ये है कि जिनके पास योग्यता नहीं वो सबसे अधिक भरे पड़े है। यूजी- पीजी पास लड़के-लड़कियाँ कम वेतन में अपना खर्च निकालने स्टाइलिश लाइफ जीने के लिए शिक्षण व्यवसाय को अपनाकर शिक्षा और शिक्षार्थियों के भविष्य को अंधेरे में धकेल रहे है। ये किताबी ज्ञान के सिवा कुछ नहीं जानते। बुद्धि, तर्क,विवेक क्या है इनका विकास कैसे हो बच्चों में ये नहीं जानते। इनके जीवन में जीवन को सौन्दर्य देने वाला एक भी गुण नहीं है।
वर्तमान में शिक्षा की प्रासंगिकता क्या है ये प्रश्न जितना सरल है उतना ही परिणाम में निराशाजनक है।
ये तो आम सवाल और बैचेनी में उठे प्रश्न है आम आदमी के वस्तुस्थिति और भी भयावह है। वर्तमान में उभर रही कोचिंग प्रणाली शिक्षा के लिए,युवाओं के लिए और देश के लिए शाप है। शायद ही अन्य विकसित और विकासशील देशों इतना बड़ा कोचिंग बाजार हो।
हर सफल बड़ा बिजनिसमेन शिक्षा को सबसे पहले व्यवसाय के रूप में अपनाता है। इसके नुकसान की गुंजाइश न के बराबर है।
राजस्थान में बीएड कॉलेज सबसे अधिक पैसा उगलती है। अनुमानतः लगभग 50 प्रतिशत बीएड अभ्यर्थी नोन अटेंडिंग चार्ज देते है। औसत एक साल के 15000₹ देते है। ये सालाना लगभग 80 करोड़ का कारोबार होता है। इसका रिकॉर्ड कहीं नहीं होता है। ये ऊपरी कमाई है। नोन अटेंडिंग चार्ज के अलावा अन्य रूपया भी डरा कर बीएड अभ्यर्थियों से हड़पते है। हर जिले और शहर के कॉलेजों की रेट अलग - अलग है। ऐसी अनेक वित्तीय अनियमितता इन संस्थाओं में होती रहती है।
इन सब भ्रष्ट क्रियाओं का ज्ञान सरकार और कार्रवाई करने वाले अफसरों को पता है लेकिन सबको हिस्सा मिलता है। घुटता है तो आम आदमी।

राजेश बिंजवाल
रघुनाथगढ़,
सीकर
राजस्थान

नेताओं का भ्रष्टाचार पर जुबानी जमाखर्च!

भारतीय जनता पार्टी ने 'कांग्रेस फाइल्स' नाम से दो एपिसोड की एक सीरिज बनाई है, जिसमें कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बारे में बताया गया है। यह सीरिज देखते हुए जो बात सबसे पहले दिमाग मे आई वह ये है कि इस देश में राजनीति और गवर्नेंस दोनों की अवधारणा सिर के बल खड़ी हो गई है यानी उलटी हो गई है। आमतौर पर सरकार के ऊपर विपक्षी पार्टियां भ्रष्टाचार के आरोप लगाती हैं और जांच की मांग करती हैं। यहां उलटा हो रहा है। अब सरकार ही विपक्ष के ऊपर आरोप लगा रही है और पता नहीं क्यों जांच नहीं करा रही है, जबकि सारी एजेंसियां उसके पास हैं और एजेंसियां कहीं न कहीं जांच भी कर रही हैं। सवाल है कि इस उलटबांसी का क्या मतलब है? और उससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या आम आदमी को सरकार की ओर से विपक्ष पर लगाए गए आरोपों पर भरोसा करना चाहिए?
भाजपा की ओर से बनाई गई 'कांग्रेस फाइल्स' की पहली कड़ी में चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले के बारे में बताया गया है। इसमें एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए का संचार घोटाला शामिल है और कई लाख करोड़ रुपए का कोयला घोटाला भी शामिल है। इन दो घोटालों की ही रकम चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाती है। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में यानी 2009 से 2014 के बीच हुई इन दो कथित घोटालों की बड़ी चर्चा हुई थी। इनके खिलाफ 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' का जन्म हुआ था और अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल का आंदोलन हुआ था। कांग्रेस के बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर होने और नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने का सबसे बड़ा कारण ये दो घोटाले बने थे। इन दो के अलावा उस समय भाजपा ने आकाश से लेकर पाताल तक और धरती से लेकर हवा और अंतरिक्ष तक में घोटाले बताए थे।
बहरहाल, जब नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने तो क्या सबसे पहले यह नहीं होना चाहिए था कि वे दो सबसे बड़े घोटालों- संचार और कोयला, की जांच कराते और दोषियों को सजा दिलाते? क्या किसी को पता है कि इन दोनों मामलों में क्या हुआ है? जो लोग 'कांग्रेस फाइल्स' के वीडियो शेयर कर रहे हैं उनको भी पता नहीं होगा कि संचार और कोयला घोटाले में क्या हुआ है। हकीकत यह है कि संचार घोटाले के तमाम आरोपी निचली अदालत से बरी हो गए हैं। सीबीआई ने हाई कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपील की है लेकिन ए राजा से लेकर कनिमोझी तक सब न सिर्फ जेल से बाहर हैं, बल्कि सांसद भी हैं। ए राजा तो लोकसभा में पीठासीन पदाधिकारियों के पैनल में भी हैं और सदन का संचालन भी करते हैं। इसी तरह कोयला घोटाले में कोई भी राजनेता जेल में नहीं है। तत्कालीन कोयला सचिव एचसी गुप्ता को छोड़ कर किसी को सजा नहीं हुई है। अगर किसी की स्मृति अच्छी हो तो याद कर सकता है कि कैसे 1989 के लोकसभा चुनाव में वीपी सिंह नाटकीय अंदाज में कागज का एक पुर्जा निकालते थे और सभाओं में लोगों को दिखा कर कहते थे कि इस पर उन लोगों के नाम हैं, जिनको बोफोर्स में रिश्वत मिली है और उनके खाते का नंबर है। सरकार बनते ही घोटालेबाज जेल में होंगे और पैसे उनके खाते से निकाले जाएंगे। वीपी सिंह तो प्रधानमंत्री हो गए लेकिन दोषी और उनके खातों का पता लगाने में एजेंसियों को 20 साल लग गए। वही कहानी संचार और कोयला घोटाले में दोहराई जा रही है।
इसी तरह 'कांग्रेस फाइल्स' की दूसरी कड़ी में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के कथित घोटाले का जिक्र है। इसमें कहा गया है कि कैसे एक पेंटिंग जबरदस्ती एक कारोबारी को दो करोड़ रुपए में बेची गई और उस पैसे का इस्तेमाल सोनिया गांधी के इलाज में किया गया। एक अलग घटनाक्रम में यस बैंक के पूर्व चेयरमैन राणा कपूर ने कहा था कि उनको पेंटिग खरीदने के लिए मजबूर किया गया था। ध्यान रहे पेंटिंग एमएफ हुसैन की है और उसकी दो करोड़ रुपए कीमत कोई ज्यादा नहीं है। इसके बावजूद अगर इसमें कोई आपराधिकता है या 'क्विड प्रो को' है यानी पेंटिंग खरीदने के बदले में राणा कपूर को कोई मदद पहुंचाई गई थी तो उसकी जांच करके सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को सजा क्यों नहीं दी जा रही है? हकीकत यह है कि इस मामले में अभी तक कोई एफआईआर भी दर्ज नहीं है।
ऐसा नही है कि इतने ही मामले हैं, जिनमें सरकार की ओर से आरोप लगाए गए हैं और न कोई सबूत पेश किया गया है और न कोई कार्रवाई हुई है। ऐसे अनगिनत मामले हैं। जैसे फरवरी के महीने में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मेघालय में प्रचार करते हुए कहा कि कोनरेड संगमा की सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। अगर केंद्र सरकार का नंबर दो मंत्री यह बात कह रहा है तो उसके पास जरूर कोई सबूत होंगे। लेकिन उन सबूतों के आधार पर कोनरेड संगमा के खिलाफ मुकदमा करने और उन पर कार्रवाई करने की बजाय दो मार्च को आए नतीजों के बाद भाजपा ने उनके साथ फिर सरकार बना ली। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक में चुनाव प्रचार करने गए तो उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार कांग्रेस के लिए हमेशा एटीएम की तरह रही है। उन्होंने पहले भी कर्नाटक से दिल्ली पैसा भेजे जाने का आरोप लगाया था। तो क्या ऐसा नहीं होना चाहिए कि केंद्र सरकार की एजेंसियां उस एटीएम का पता लगातीं, दिल्ली पैसा भेजे जाने की छानबीन करतीं और दोषी नेताओं पर कार्रवाई करतीं? लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।
तभी सवाल है कि ऐसे आरोपों का क्या मतलब है? भ्रष्टाचार पर इस तरह की जुबानी जमाखर्च से क्या हासिल होगा? अगर इतने बड़े घोटाले करने वालों पर कार्रवाई नहीं होगी तो क्या उससे भ्रष्टाचारियों के हौसले नहीं बढ़ेंगे? कायदे से सरकार को आरोप लगाने की बजाय कार्रवाई करनी चाहिए। संचार घोटाला, कोयला घोटाला, आदर्श घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, देवास घोटाला से लेकर कोनरेड संगमा और कर्नाटक कांग्रेस के कथित घोटाले की पूरी सख्ती से जांच करानी चाहिए और दोषियों को सजा दिलानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो यही माना जाएगा कि भाजपा और उसके शीर्ष नेताओं के लिए भ्रष्टाचार से लड़ना कोई प्रतिबद्धता का मामला नहीं है, बल्कि चुनावी राजनीति का मामला है। वह सिर्फ जुबानी जमाखर्च करके कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों को बदनाम करती है और वोट लेती है। इसका यह भी मतलब होगा कि या तो घोटाला नहीं हुआ है और अगर हुआ है तो असली दोषियों को सजा दिलाने की भाजपा की मंशा नहीं है।

अजीत द्विवेदी

कर्नाटक में अल्पसंख्यक लोगों की मांगें

कई राज्यों में चुनाव होने हैं । चुनावी सरगर्मी के बीच मुस्लिम नेताओं की अपनी पार्टियों से मांग सामने आई है कि उन्हें चुनावों में अधिक सीटें दी जाएं । उनका दावा है कि राजनीति और समाज में उनका प्रतिनिधित्व घटता जा रहा है और मुस्लिम समुदाय हाशिए पर धकेला जा रहा है । दिसम्बर में 182 सीटों वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे आये । इस चुनाव में सिर्फ एक मुस्लिम उम्मीदवार की जीत हुई और वे थे कांग्रेस के इमरान खेड़ावाला । पिछले विधानसभा चुनाव में गुजरात से तीन मुस्लिम विधायक चुने गये थे । लेकिन इस बार लगभग 10 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले राज्य गुजरात में केवल एक मुसलमान विधायक चुना गया है । लेकिन विधानसभाओं में मुसलमानों के प्रतिनिधित्व की कमी गुजरात या सिर्फ भाजपा शासित राज्यों तक ही सीमित नहीं है । विशेषज्ञों का कहना है कि अब कुछ गैर बीजेपी सरकारें और पार्टियां भी मुस्लिम उम्मीदवारों को हार के डर से टिकट देने या मंत्री बनाने से परहेज करने लगी हैं । कर्नाटक में अप्रैल या मई में विधानसभा की 224 सीटों के लिए मतदान होना है । पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी 224 में से 104 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी कांग्रेस को 80 सीटों पर और जनता दल सेक्यूलर (जेडीएस) को 37 सीटों पर जीत हासिल हुई थी कांग्रेस और जनता दल सेक्यूलर की मिली जुली सरकार बनी । लेकिन 15 विधायकों ने अपनी पार्टियों से विद्रोह करके भाजपा में शामिल होने का फैसला किया । फिर भाजपा ने सरकार बना ली । मुस्लिम समुदाय के केवल सात विधायक चुनाव जीत कर आये थे और वो भी सभी कांग्रेस पार्टी से । इस बार कांग्रेस और जेडीएस के मुस्लिम नेताओं ने अपनी पार्टियों से मुस्लिम उम्मीदवारों को अधिक टिकट देने की मांग की है । राज्य में लगभग 20 से 23 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम वोट काफी महत्वपूर्ण हैं । कर्नाटक में मुसलमानों की आबादी 13 फीसदी है कांग्रेस के मुस्लिम नेता विधानसभा की कुल 224 सीटों में से 21 से 23 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार खड़ा करने की मांग कर रहे हैं । उनके अनुसार पिछली बार की तरह इस बार भी अगर मुसलमानों को कांग्रेस ने 15-17 सीटें ही दीं, तो इससे समुदाय का बड़ा नुकसान होगा । कर्नाटक में कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद पार्टी के मौजूदा सात मुस्लिम विधायकों में से एक हैं। वो कहते हैं, आज हिन्दुस्तान में जो माहौल बनाया गया है, समाज में जिस तरीके से माइनॉरिटी मेजॉरिटी का खेल खेला जा रहा है और इसमें माइनॉरिटी को अलग करके मेजॉरिटी को जोड़ने की एक सियासत चल रही है, ये फ़ासिज़्म का जो मॉडल पहले चला है सब जगह, वो हिन्दुस्तान में चल रहा है । जब आप माइनॉरिटी को अलग कर देंगे और मेजॉरिटी को आप अलग कर देंगे और आप चुनाव करवा देंगे, तो जाहिर सी बात है कि माइनॉरिटी कैंडिडेट थोड़ा डिसएडवांटेज में रहेगा । जैसे- जैसे कॉम्युनल पॉलिटिक्स बढ़ती है, तो माइनॉरिटीज के लिए बहुत बड़े चैलेंजेज़ हो जाते हैं । राज्य के धारवाड़ चुनावी क्षेत्र में कांग्रेस नेता इस्माइल टमटगर दो बार जेडीएस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन दोनों बार वो चुनाव हार गये । अब वो कांग्रेस पार्टी में हैं और वो कहते हैं, धाड़वार से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं । मुस्लिमों को पिछली बार 17 सीटें दी गई थीं, जिनमें से सात उम्मीदवार जीते थे । जीत का प्रतिशत 41 फ़ीसदी है ।

अजय दीक्षित

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पथ सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के तहत ट्रैफिक की पाठशाला का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन में

अंबिकापुर. पथ सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के तहत सरगुजा पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर व्यवसायिक वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करने के दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला , प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन के नेतृत्व में उप पुलिस अधीक्षक कामता सिंह दीवान, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अखिलेश कौशिक, प्रशिक्षु पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत देवांगन रक्षित निरीक्षक जयराम चेरमाको द्वारा रक्षित केंद्र में ट्रैफिक की पाठशाला का आयोजन किया गया।

ट्रैफिक की पाठशाला के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन द्वारा पाठशाला में शामिल सभी चालकों की ट्रैफिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होने की बात कही गई। नियमों के पालन कर यातायात की बढ़ती समस्याओं का निदान किया जा सकेगा। साथ ही वाहन चालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक कहीं भी वाहन खड़ा कर देने से ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं देखने को मिलती है। जिसे दूर करने के प्रयास में ट्रैफिक की पाठशाला का आयोजन कर आप सभी से नियमों का पालन करने की अपील सरगुजा पुलिस द्वारा जा रही हैं।

उप पुलिस अधीक्षक कामता सिंह दीवान द्वारा सभी चालकों को यातायात के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पार्किंग में वाहन खड़ा करने, सफेद पट्टी के अंदर वाहनों को खड़ा कर सवारी बैठाने, चालक का लाइसेंस, गाड़ी का इन्सुरेंस, वर्दी पहनकर चालकों को वाहन चलाने हेतु निर्देश दिए गए। चालकों को सरगुजा पुलिस के त्रिनेत्र हेल्पलाइन नंबर 9627344000 के बारे मे जानकारी देकर नियमो कि अवहेलना करने वालो की शिकायत दर्ज कराने हेतु अपील की गई। ट्रैफिक की पाठशाला के दौरान जिला परिवहन अधिकारी सी एल देवांगन, सचित श्रीवास्तव, एवं यातायात शाखा के अधिकारी कर्मचारी एवं काफी संख्या मे ऑटो चालक, वैन चालक, ई रिक्शा चालक उपस्थिति रहे।

फेसबुक से हुई दोस्ती,मिलने के लिए बुलाई युवती ने युवक को

युवक के बैग में रखे 70 हजार रुपए लेकर हो गई युवती रफूचक्कर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

फेसबुक से युवती से दोस्ती करना युवक के लिए महंगा पड़ा। युवती युवक को मिलने के लिए अंबिकापुर बुलाई थी। युवक बिना कुछ सोचे समझे बाइक से बतौली से अंबिकापुर आ गया। युवक अपने बैग में ग्राहक सेवा केन्द्र के 70 हजार रुपए रखे थे। रविवार की सुबह युवती युवक को नाश्ता लाने के लिए भेजी और इधर उसके बैग से 70 हजार रुपए निकाल कर रफूचक्कर हो गई। युवक ने मामले की शिकायत कोतवाली में की है।

जानकारी के अनुसार बतौली निवासी बर्थ मींस तिर्की पिता घसिया तिर्की बतौली ग्राहक सेवा केंद्र में काम करता है। 1 माह पूर्व जशपुर निवासी स्वाति लकड़ा से फेसबुक से दोस्ती हुई। दोनों अक्सर फेसबुक के माध्यम से बातचीत करते थे। इसी बीच युवती ने शनिवार को युवक को मिलने के लिए अंबिकापुर बुलाई। युवक ग्राहक सेवा केंद्र में जमा ग्राहकों के लगभग 70 हजार लेकर बाइक से सीधे अंबिकापुर युवती से मिलने आ गया। इसके बाद युवक उसे नवागढ़ स्थित रिश्तेदार के यहां लेकर चला गया। रात में दोनों रिश्तेदार के घर रूके। रविवार की सुबह युवक नाश्ता लेने गया था तभी युवती ने उसके बैग में रखें 70 हजार रुपए लेकर फरार हो गई। इधर जब युवक नाश्ता लेकर लौटा तो युवती घर में नहीं थी कुछ देर बाद ही युवक के मोबाइल में युवती का मैसेज आया जिसमें युवती ने लिखा था की मैं तुम्हारे पूरा पैसा लेकर जा रही हूं मेरा काम हो जाएगा। 3 दिन बाद बात करूंगी। युवक ने मामले की शिकायत कोतवाली में की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस अधीक्षक अचानक पहुंचे जन चौपाल

आमजनता से पुलिस के कार्यो का लिया फीडबैक

- नागरिकों के समस्याएं सुन किया निराकरण
- ग्रामीणों को अपराधों से बचने की दी समझाइश
- अवैध कार्यो की सूचना पुलिस को देने की अपील

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को क्षेत्र में नियमित रूप से जन चौपाल लगाकर लोगों की समस्या-शिकायतों का निराकरण करने, अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक तथा अवैध कार्यो में लिप्त लोगों की जानकारी हासिल करने के निर्देश दिए है। निर्देशों का पालन थाना प्रभारियों के द्वारा किया जा रहा है या नहीं उसका जायजा लेने के लिए शनिवार को थाना झिलमिली पुलिस के द्वारा ग्राम दवना में लगाए गए जन चौपाल में पुलिस अधीक्षक अचानक पहुंचे जहां उन्होंने मौजूद जनप्रतिनिधियों, नागरिकों से पुलिस के कार्यो का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पुलिस जन चौपाल में नागरिकों की समस्या-शिकायतों को सुनकर उसका निराकरण हो रहा है अथवा नहीं यह देखने आप सभी के बीच आया हूँ।

जन चौपाल में पहुंचे पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू को महिलाओं, पुरूषों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिनमें से कईयों का निराकरण मौके पर किया और कुछ समस्या-शिकायतों जिनका निराकरण मौके पर नहीं हुआ उसका जल्द निराकरण कराने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी को कहा कि लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए तुरंत कदम उठाए जाए। चौपाल के दौरान साइबर अपराध, आनलाईन ठगी, एटीएम का पिन एवं ओटीपी न बताने, आनलाइन शापिंग, जमीन के संबंध में धोखाधड़ी जैसे अन्य गंभीर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। अवैध कार्यो, नशे के कारोबार में लिप्त लोगों की जानकारी पुलिस को देने की अपील किया ताकि ऐसे लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा सके। लोगों से ग्राम स्तर पर अपराध नियंत्रण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तीकरण, अंधविश्वास आदि सामाजिक बुराइयों से बचने तथा समाज में व्याप्त नशा, जुआ व महिला के विरूद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में तत्काल थाना को सूचित करने के संबंध में बताया। ग्रामवासियों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, शराब का सेवन कर वाहन न चलाने, गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने की समझाईश दिया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई भी नशीली वस्तुए बेचता है या कोई अन्य किस्म का अपराध करता अथवा बाहरी व्यक्ति फेरीवालों की सूचना तुरंत पुलिस देने की अपील किया। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस को हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, थाना प्रभारी झिलमिली नरेन्द्र सिंह, जनपद सदस्य संतोष गुप्ता, सरपंच पति ईश्वर, जनप्रतिनिधि मुरली गुप्ता, ग्राम रक्षा समिति के सदस्य, पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

पेटोल पंप से बाइक चोरी करने वाले एक नबालिग सहित तीन गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप से बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने एक नबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शुक्रवार की रात पेट्रोल पंप से बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी महेन्द्र प्रताप साहू मणिपुर का रहने वाला था। वह शुक्रवार की रात को अपनी बाइक मणिपुर पेट्रोल पंप के बाहर खड़ाकर काम करने चला गया था। इस दौरान रात करीब 1 बजे तीन बदमाशों ने उसकी बाइक चोरी कर ली। बाइक चोरी करने की घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हुआ था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने घटना में शामिल अविनाश मिश्रा, अरशद अंसारी एवं एक नबालिग बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो ये तीनों ने बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की दो बाइक जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं अपचारी बालक को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणिपुर उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक सतेंद्र दुबे, संजीव चौबे, राहुल सिंह, ब्रूजेश राय, सीनू फिरदोसी, सहबाज़ खान, अतुल सिंह, अतुल शर्मा, शामिल रहे।

पत्नी का हत्यारे पति को थाना प्रेमनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

विगत दिवस ग्राम केदारपुर निवासी मंगल साय ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका चाचा का लड़का बुधवार साय जो इसके घर के बगल में मिट्टी का नया मकान बना रहा है, पहली पत्नी की मृत्यु होने के बाद दूसरी पत्नी समुन्द्री बाई को बनाया था उसी के साथ मकान बना रहा था, 14 अप्रैल के शाम को बुधवार साय अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर झगड़ा कर मारपीट कर रहा था जो बचाने के लिए चिल्लाई, यह और इसका छोटा भाई मारपीट करते देखे किन्तु डर से नहीं गए। कुछ देर बाद बुधवार साय आकर बताया कि पत्नी समुन्द्री बाई को मिट्टी लमरने के लिए बोला तो वह मना कर दी जिस कारण डंडे से पत्नी को मारकर हत्या कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना प्रेमनगर में अपराध क्रमांक 37/23 धारा 302 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना प्रेमनगर की पुलिस ने दबिश देकर आरोपी बुधवार साय पिता सुखलाल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम केदारपुर, थाना प्रेमनगर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने पत्नी का हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले का आरोपी पूर्व में भी मारपीट व हत्या के मामले गिरफ्तार हुआ था जिसे सजा भी मिली थी और कुछ समय पहले ही वह जेल से बाहर आया था। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर रूपेश कुंतल, एएसआई अश्विनी पाण्डेय, प्रधान आरक्षक परमेश्वर पैंकरा, आरक्षक बेचूराम सोलंकी, चंद्रकांत बिजनेर, महिला आरक्षक सिंधू कुजूर, सैनिक तुफान सिंह व उमेश चौबे सक्रिय रहे।

गुंदूर लाल मिर्च के उपज के लिए बेहद संभावनाओं वाला है सरगुजा का मौसम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

प्रगतिशील कृषि के लिए करजी कृषि फार्म ने रविवार को करजी कृषि फार्म हाउस में जिले के उन्नतशील किसानों की एक कार्यशाला आयोजित हुई। कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यशाला में सरगुजा के लिए एक भावी कैश क्रॉप गुंदूर मिर्च के पैदावार की संभावनाओं पर विशेष रुप से चर्चा की गई। करजी कृषि फार्म ने अपने शोध के आधार पर कार्यशाला में यह जानकारी दी कि सरगुजा जिले का मौसम गुंदूर लाल मिर्च के उपज के लिए बेहद संभावनाओं वाला है। आंध्रप्रदेश का गुंदूर जिला सूखी लाल मिर्च की खेती के लिये प्रसिद्ध है। सरगुजा संभाग में खरीफ के मौसम में जो अपलैण्ड मकई के फसल के लिए उपयोग आते हैं। वहां पर बिना ड्रिप और बिना मंचिंग के इस लाला मिर्च की खेती सफलता पूर्वक की जा सकती है। फर्म संचालक नितेश गुप्ता ने जानकारी दी है कि एक एकड में करीब 12 हजार लाल मिर्च के पौधों का रोपण किया जा सकता है, जिससे न्यूनतम ढाई से चार टन तक की उपज प्राप्त हो सकती है। गुंदूर सूखी लाल मिर्च की विभिन्न किस्मों का बाजार मूल्य 200 रुपए से लेकर 700 रुपए प्रति किलो है। यदि किसान इस फसल को अपनाते हैं तो ये खेती उन्हें मालामाल कर सकती है। सरगुजा संभाग में हजारों एकड का अपलैण्ड रकबा मकई की खेती में प्रयुक्त हो रहा है। इस भू-भाग में बिना किसी विशेष व्यवस्था के बरसाती पानी के सहारे लाल मिर्च की खेती हो सकती है। कार्यशाला में जानकारी दी गई कि सरगुजा में 15 जून से लेकर 10 जुलाई तक का समय गुंदूर लाल मिर्च के पौधरोपण के लिये उपयुक्त है। इस मिर्च का रकबा बढने एवं व्यापक उपत्पादन होने पर भविष्य में मिर्च से संबंधित सहायक उद्योगों के विकास की भी संभावना जताई गयी है। करजी कृषि फार्म में आयोजित इस कार्यशाला में सरगुजा क्षेत्र में अन्य कैश क्रॉप की संभावनाओं पर भी किसानो को जानकारी दी गयी। इनमें ग्रॉफ्टेड शिमला मिर्च, ग्राफ्टेड बैगन, खीरा, टमाटर आदि के उत्पादन से संबंधित नवीनतम तकनीकी को भी साझा किया गया। इस कार्यशाला कई कृषि विशेषज्ञ शामिल होकर किसानों को खेती के नवीन तकनीक एवं नये फसल किस्मों की जानकारी दिये। इनमें सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड के जनक पटेल, सोनू सिंह, एरीज इंडिया के वीपी देवेन्द्र तिवारी, निलेश त्रिपाठी, पवन शर्मा, पान सीड इंडिया के आरएम विकास पाण्डेय, वीएनआर के मैनेजर प्रियांशु, नामधारी सीड्स के के संदीप आदि शामिल हैं। कार्यक्रम में सरगुजा क्षेत्र के अनेक प्रगतिशील किसान शामिल हुए, जिनमें ताराचंद गुप्ता, राकेश गुप्ता, मानसून गुप्ता, मो. मुन्ना खान, नीलम शर्मा, हरसाय, सुरेन्द्र सिंह, विनोद गुप्ता, सुरजा गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, रामगोपाल राजवाडे, कमलेश गुप्ता, अवधेश यादव, बालकृष्ण यादव, शकील अंसारी, देवेन्द्र मिश्रा आदि सम्मलित है।

टमाटर के रवि फसल पर जोर

करजी कृषि फार्म के संचालक नितेश गुप्ता ने जानकारी दी कि आगामी वर्ष में सरगुजा में टमाटर के रवि फसल का रकबा बढने की संभावना है। उन्होंने जानकारी दी कि जनवरी के बाद बडे रकबे में टमाटर के रवि फसल के पौधरोपण की संभावना है। जिसका उत्पादन मई से प्रारंभ हो जायेगा। अभी क्षेत्र में टमाटर के खरीफ फसल की बुआई होती है। रवि फसल के बुआई के बाद लगभग सालभर क्षेत्र में टमाटर की पैदावार उपलब्ध रहेगी।

अमेरिका में फिर गोलीबारी की घटना;चार लोगों की जान गई,कई के घायल होने की खबर

न्यूयॉर्क,16 अप्रैल 2023। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बार फिर फायरिंग की घटना हुई है। जानकारी के मुताबिक, अलबामा के डैडविल में शनिवार रात हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई है। घटना में कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गोलीबारी की घटना एक जन्मदिन की पार्टी में हुई। महगनी मास्टरपीस डांस स्टूडियों में बर्थडे की पार्टी चल रही थी, तभी ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगीं। सूत्रों की मानें तो करीब 20 लोगों को गोली लगी है। हालांकि, फिलहाल सिर्फ चार की जान जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने अभी तक संदिग्ध को लेकर कोई भी जानकारी साझा नहीं की है।

इससे पहले 23 वर्षीय एक व्यक्ति ने 11 अप्रैल को लुइसविले बैंक में राइफल से अंधाधुंध गोलीबारी कर चार लोगों की हत्या कर दी थी। मृतकों में गवर्नर के करीबी दोस्त भी शामिल थे। बताया गया कि आरोपी खुद उसी बैंक का एक कर्मचारी था। पुलिस प्रमुख जैकलीन गिविन-विलारोएल ने हमलावर की पहचान कॉनर स्टर्जन के रूप में की थी।

लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग के उप प्रमुख पॉल हम्फ्रे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि यह घटना ओल्ड नेशनल बैंक में हुई। हमलावर बंदूकधारी को भी मार गिराया गया। घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावर ने खुद को मारा या अधिकारियों ने उसे गोली मारी।

गोलीबारी की यह घटना इस साल देश में होने वाली 16वीं ऐसी घटना है जिसमें सामूहिक तौर पर लोगों की हत्या की गई। दो सप्ताह पहले ही टेनेसी प्रांत के नैशविले में एक ईसाई प्राथमिक विद्यालय में एक पूर्व छात्र द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी कर तीन बच्चों और तीन वयस्कों की हत्या कर दी गई थी। उस राज्य के गवर्नर और उनकी पत्नी के मित्र भी उस गोलीबारी में मारे गए थे।

दुबई की रिहायशी बिल्डिंग में आग से 16 की मौत,मृतकों में चार भारतीय भी शामिल

दुबई, 16 अप्रैल 2023। दुबई की एक रिहायशी बिल्डिंग में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में चार भारतीय भी शामिल हैं। आग के चलते नौ लोग घायल भी हुए हैं। रविवार को मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर आई है। खबर के अनुसार, दुबई के अल रास इलाके में शनिवार रात करीब साढ़े बारह बजे रिहायशी इमारत में आग लगी। आग इमारत के चौथे फ्लोर पर लगी थी, जिसने इमारत के अन्य हिस्सों को भी चपेट में ले लिया।

मरने वालों में केरल के दंपति और तमिलनाडु के लोग शामिल

आग की सूचना मिलते ही दुबई सिविल डिफेंस के कर्मी मौके पर पहुंचे और आग को बुझाने की कोशिश की। साथ ही नजदीकी इमारतों से लोगों को सुरक्षित निकाला गया। आग की सूचना पाकर पोर्ट सईद फायर स्टेशन और हमरिया फायर स्टेशन के कर्मी भी घटनास्थल पहुंचे। देर रात करीब ढाई बजे आग पर काबू पा लिया गया। दुबई में रहने वाले भारतीय नसीर वातनपल्ली ने बताया कि मरने वालों में चार भारतीय शामिल हैं। जिनमें केरल के दंपति और दो अन्य लोग तमिलनाडु के हैं। पाकिस्तान के तीन चचेरे भाई और एक नाइजीरियाई महिला की भी इस हादसे में मौत हुई है।

भारतीय दूतावास की मदद से शवों को भारत भेजने की कोशिश की जा रही है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि इमारत में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है।

भारतीय अमेरिकी समुदाय से बोलीं वित्त मंत्री-भारत-अमेरिका मिलकर बना रहे शांतिपूर्ण,मजबूत समुदाय

वॉशिंगटन,16 अप्रैल 2023। भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका दौरे पर हैं। यहां भारतीय अमेरिका समुदाय के एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर एक मजबूत, शांतिपूर्ण और सद्भावनापूर्ण वैश्विक समुदाय की नींव रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम (भारत और अमेरिका) विविधता, समावेश को सेलिब्रेट करते हैं और बहुत सारे सकारात्मक विचारों को साझा करते हैं।

दोनों लोकतंत्र के संबंध सकारात्मक

अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम साथ जश्न मनाते हैं और यही वो चीज है जो भारत और अमेरिका को चलाती है। दोनों लोकतंत्रों में सकारात्मक संबंध हैं और हम कई चुनौतियों भी साझा करते हैं, जिनमें कुछ आंतरिक भी हैं लेकिन हम इन दिक्कतों को हावी नहीं होने देते। भारत और अमेरिका मिलकर एक शांतिपूर्ण और मजबूत दुनिया का निर्माण कर रहे हैं और इसलिए अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की भूमिका बेहद अहम है।

वित्त मंत्री ने भारतीय अमेरिकी समुदाय से कही ये बात

भारतीय अमेरिकी समुदाय से निर्मला सीतारमण ने कहा कि आप अपने जन्मस्थान को याद करते होंगे लेकिन अब आप अमेरिका का हिस्सा हैं एक गतिशील और मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। भारत में भी अलग-अलग धर्मों और अलग-अलग भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। डिजिटल क्षेत्र में भारत ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, लोग उसके बारे में बातें कर रहे हैं।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के संविधान में कम से कम 15 भाषाओं को जगह दी गई, इनके अलावा भी कई भाषाएं भारत में बोलीं जाती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म कई क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। जिससे लोग दूध के बिल का भुगतान या किसी भी अन्य वेंडर आदि का भुगतान क्षेत्रीय भाषा में ही किया जा सकता है। ये चीजें हैं जो सफल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत बनें।

नेपाल के पीएम प्रचंड ने आठवीं बार किया कैबिनेट विस्तार,इन्हें सौंपी विदेश मंत्री की जिम्मेदारी

काठमांडू ,16 अप्रैल 2023। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% ने एक बार फिर अपनी कैबिनेट का विस्तार किया है। यह आठवीं बार है, जब नेपाल की तत्कालीन सरकार में मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है। इस बार पीएम प्रचंड ने विदेश मंत्री और एक राज्य मंत्री को अपनी टीम में शामिल किया है।

नेपाली कांग्रेस की सेंट्रल कमेटी के मेंबर नारायण प्रसाद सऊद नेपाल के नए विदेश मंत्री बनाए गए। उन्हें दोपहर 3 बजे राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई गई। सऊद 2014 में सुशील कोईराला की सरकार में सिंचाई मंत्री थे। प्रधानमंत्री प्रचंड और नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बीच शनिवार को हुई बैठक के बाद सऊद के नाम पर सहमति बनी।

इससे पहले नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच दरार की वजह से पिछले महीने मंत्रिमंडल का आंशिक और अधूरा विस्तार किया गया था। इस दौरान 11 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। नेपाल के पीएम प्रचंड को लगभग तीन महीने के भीतर दूसरी बार फ्लोर टेस्ट और सातवीं बार कैबिनेट में फेरबदल करना पड़ा था। 20 मार्च को विश्वास मत के दौरान 10 दलों ने समर्थन दिया था और सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हुए थे। इसके बाद दहल पांच और दलों को साथ लेने में कामयाब रहे।

राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने रविवार को राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में एक विशेष समारोह के दौरान विदेश मामलों के नवनियुक्त मंत्री नारायण प्रकाश (एनपी) सऊद को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति राम सहाय प्रसाद यादव, प्रधानमंत्री दहल, अध्यक्ष देवराज घिमिरे और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष गणेश प्रसाद तिमिलसीना शामिल हुए।

अभी भी चार मंत्रालय पीएम दहल के पास

अधिकांश मंत्रालयों को भरने के बावजूद पीएम दहल के पास कानून, न्याय और संसदीय मामलों का मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वन और पर्यावरण मंत्रालय, स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय और युवा और खेल मंत्रालय थे। आठवीं बार कैबिनेट का विस्तार करने के बाद विदेश मंत्रालय उन्होंने नए साथी को सौंप दिया।

नेपाल के नए विदेश मंत्री होंगे नारायण प्रसाद सऊद,नेपाली कांग्रेस के नेता हैं

काठमांडू ,16 अप्रैल 2023। नेपाली कांग्रेस के नेता नारायण प्रसाद सऊद नेपाल के नये विदेश मंत्री होंगे। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि वह रविवार को शपथ लेंगे। सऊद को विदेश मंत्री बनाने का निर्णय सीपीएन-माओवादी सेंटर के अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल की उपस्थिति में सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक के दौरान लिया गया। साठ वर्षीय नारायण प्रसाद सऊद नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय समिति के भी सदस्य हैं।

भारत दक्षिण की आवाज, हमारे मुद्दे जी-20 तक पहुंचा रहा : युगांडा

भारत में युगांडा की उच्चायुक्त जॉयस काकूरामत्सी किकाफुंडा ने शनिवार को कहा कि भारत दक्षिण की आवाज है और युगांडा जैसे छोटे देशों के मुद्दों को जी-20 जैसे अहम मंचों तक पहुंचा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि युगांडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक मजबूत दोस्त के तौर पर देखता है। कोविड के चरम संकट के दौरान भारत की तरफ से युगांडा को भेजी गई मदद पर को लेकर उन्होंने कहा, जब दुनिया के बड़े देश सिर्फ अपने चिंता में लगे थे, तब भारत ने उनकी मदद की थी, इसे युगांडा के लोग कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा, अफ्रीका और खासतौर पर युगांडा के साथ भारत का रिश्ता दूसरे देशों जैसा नहीं है, जो हमेशा बदले में कुछ न कुछ चाहते हैं। बल्कि, भारत जब भी युगांडा में कोई समस्या देखता है तो बदले में कुछ भी पाने की इच्छा के बिना यथासंभव मदद करता है।

इस्राइल के अर्थव्यवस्था मंत्री बरकत आज से भारत दौरे पर

इस्राइल के अर्थव्यवस्था मंत्री नीर बरकत भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के लिए चार-दिवसीय यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचेंगे। इस दौरान वह मुंबई का भी दौरा करेंगे। इस्राइल की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, बरकत की इस यात्रा में वाहन, वित्त-प्रौद्योगिकी और जलवायु प्रौद्योगिकी पर मुख्य रूप से जोर रहेगा। इस्राइल का एशिया में भारत दूसरा बड़ा और दुनिया में नौंवा बड़ा कारोबारी साझेदार है।

मोजाम्बिक : जयशंकर ने किया प्राचीन राम मंदिर का दौरा

मोजाम्बिक की यात्रा समाप्त करने से पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को भगवान राम के सदियों पुराने सलामंगा मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने मोजाम्बिक के राष्ट्रपति फिलिप न्यूसी से मुलाकात कर द्विपक्षीय विकास के उपायों पर चर्चा की थी। उन्होंने इस दौरान व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में साझेदारी पर काम करने की भी प्रतिबद्धता जताई। जयशंकर ने ट्वीट कर कहा, मोजाम्बिक में भारतीय समुदाय से चर्चा करके खुशी हुई।

सूडान के खार्तूम में सेना-अर्धसैनिक बलों के बीच जंग जारी, हिंसा के बीच एक भारतीय की मौत

खार्तूम,16 अप्रैल 2023। सूडान की राजधानी खार्तूम में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच शनिवार को शुरू हुई जंग अब भी जारी है। इसमें अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, कई घायल हैं। इस बीच खबर है कि इस हिंसा की चपेट में आकर एक भारतीय नागरिक की मौत हो चुकी है। खार्तूम में स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि एल्बर्ट ऑगेस्टीन नाम का व्यक्ति जो सूडान में डल ग्रुप के साथ काम कर रहा था, उसकी गोली लगने से मौत हो गई।

इस घटना पर विदेश मंत्री एस जयशंकर का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि खार्तूम में मौजूदा स्थिति काफी चिंताजनक है और भारत इस पर निगरानी रख रहा है। एक भारतीय की मौत पर जयशंकर ने कहा कि वे इसे लेकर काफी दुखी हैं और दूतावास परिवार को सारी मदद मुहैया कराने की कोशिश में है। वहीं, भारतीय दूतावास ने कहा है कि सूडान में डल ग्रुप कंपनी में काम कर रहे एल्बर्ट ऑगेस्टीन को गोली लग गई थी और इससे उनकी मौत हो गई। दूतावास आगे के इंतजाम के लिए उनके परिवार और चिकित्सा अधिकारियों के साथ संपर्क में है।

भारतीय दूतावास ने नागरिकों के लिए जारी की एडवायजरी

इससे पहले सूडान स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को ही भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और घरों में रहने की सलाह दी। दूतावास ने ट्वीट कर भारतीयों से शांत रहने और अद्यतन जानकारी का इंतजार करने का भी आग्रह किया था।

खार्तूम में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच टकराव

सेना और अर्धसैनिक बलों में तनाव के बीच शनिवार सुबह सूडान की राजधानी खार्तूम में लगातार गोलीबारी होने की आवाज सुनी गई। गोलीबारी की आवाज राजधानी के मध्य क्षेत्रों के अलावा पड़ोसी शहर बहरी में भी सुनाई दीं।

'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के रूप में पहचाने जाने वाले अर्धसैनिक बल और सेना के बीच तनाव हाल के महीनों में बढ़ गया है, जिसके चलते देश में लोकतंत्र बहाल करने के लिए राजनीतिक दलों के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित समझौते पर हस्ताक्षर करने में देरी हो रही है।

शनिवार सुबह जारी एक बयान में आरएसएफ ने आरोप लगाया कि सेना ने दक्षिण खार्तूम स्थित बल के अड्डे पर हमला किया है। बयान में दावा किया गया है कि सेना ने हमले में हल्के एवं भारी हथियारों का इस्तेमाल किया।

दुनिया के प्रदूषित शहरों की सूची में टॉप पर पहुंचा काठमांडू,दोपहर में भी छाई धुंध,उड़ान सेवाएं भी बाधित

काठमांडू ,16 अप्रैल 2023। विश्व में तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण प्रदूषण एक बड़ी समस्या बना हुआ है। इस बीच, सामने आया है कि दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में काठमांडू शीर्ष पर है। आईक्यू एयर ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में आईक्यू एयर ने बताया है कि रविवार दोपहर को वायु गुणवत्ता सूचकांक में सबसे प्रदूषित शहरों में काठमांडू शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। वर्तमान में काठमांडू में हवा में प्रदूषण की सघनता विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 24 घंटे वायु गुणवत्ता दिशानिर्देश मान द्वारा दी गई अनुशंसित सीमा से 1.9 गुना अधिक है। बता दें कि आईक्यू एयर दुनिया के 101 शहरों के वास्तविक समय के प्रदूषण को मापने वाली एक संस्था है।

दोपहर में भी छाई रहती है धुंध

फोरा दरबार में अमेरिकी दूतावास के वायु गुणवत्ता मापक स्टेशन ने इस बारे में जानकारी दी है कि काठमांडू का एक्यूआई 200 के स्तर को पार कर गया है। इसके साथ ही शहर की हवा सांस लेने के लिए और जहरीली होती जा रही है। स्टेशन ने यह भी बताया है कि जैसे-जैसे एक्यूआई में गिरावट जारी है, काठमांडू में दृश्यता भी लगातार कम होती जा रही है। काठमांडू के निवासियों का भी कहना है कि वहां दृश्यता काफी कम हो गई है। आलम यह है कि आकाश भैरब के पहाड़ी मंदिर से धरहरा टावर को पहले साफ देखा जा सकता था, लेकिन अब धुंध के कारण उसे देखना भी मुश्किल है।

उड़ानों पर भी खराब दृश्यता का असर

काठमांडू में वायु प्रदूषण में जारी वृद्धि का असर वहां की विमानन सेवाओं पर भी पड़ रहा है। रविवार को भी घरेलू उड़ानों पर इसका असर देखा गया। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (टीआईए) कार्यालय ने जानकारी दी है कि खराब दृश्यता के कारण पोखरा, भरतपुर और तुमलिंगतार सहित अन्य गंतव्यों के लिए उड़ानें बाधित हुईं हैं। टीआईए

कार्यालय के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला ने कहा कि पोखरा सहित तीन घरेलू गंतव्यों में उड़ानें पूरी तरह प्रभावित हुई हैं। साथ ही पोखरा, भरतपुर और तुमलिंगतार के लिए कोई उड़ान नहीं भरी गई है। तीन दिनों से काठमांडू सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बढ़े वायु प्रदूषण के कारण उड़ानें प्रभावित हुई हैं। पोखरा के लिए उड़ानें शुक्रवार और शनिवार को भी प्रभावित रहीं। सितौला ने कहा कि हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र की उड़ानें आम तौर पर सुबह प्रभावित होती थीं, लेकिन अब नियमित रूप से हो रही हैं।

इस वजह से बढ़ रहा प्रदूषण

इससे पहले, बीते गुरुवार को नेपाल के पर्यावरण विभाग ने राजधानी में बढ़ती धुंध और प्रदूषण को लेकर चिंता जाहिर की थी। विभाग ने कहा था कि काठमांडू घाटी और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में वायु प्रदूषण का स्तर बारा, परसा, चितवन समेत देशभर में 140 से ज्यादा जगहों पर प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों जैसे आग और कृषि अवशेषों को जलाने के कारण बढ़ गया है। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में आग लगने से भी प्रदूषण तेजी से बढ़ा है।

लोगों को दी गई मास्क लगाने की सलाह

पर्यावरण विशेषज्ञों ने इस स्थिति को बेहद खतरनाक बताया है। उन्होंने यह भी कहा है कि जहरीरी हवा वहां के रहने वालों के लिए ये गंभीर चिंता का विषय है। साथ ही उन्होंने लोगों को मास्क पहनने का सुझाव दिया है ताकि वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम किया जा सके। वायु प्रदूषण के कारण हाल के वर्षों में नेपाल में सांस की बीमारियों, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक के रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई है। अध्ययनों से पता चला है कि नेपाल में 2019 में इनडोर और आउटडोर वायु प्रदूषण के कारण 42,000 लोगों की मौत हुई। वहीं, वायु प्रदूषण के कारण होने वाली कुल मौतों में से 19 प्रतिशत 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे थे और 27 प्रतिशत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग थे।

पहले भी कई बार लोगों को वायु प्रदूषण के खतरे से बचाने के लिए स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय ने जनता को फेस मास्क लगाने की सलाह दी थी। इसके साथ ही पर्यावरण विभाग ने लोगों से बाहर जाने पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

काउंसलिंग में अनियमितता को लेकर आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे शिक्षक से संयुक्त संचालक ने की अभद्रता,संघ की चुप्पी पर उठा सवाल

- वायरल वीडियो में अभद्रता स्पष्ट झलक रही,शिक्षकों की आपत्ति सुनने को तैयार नहीं थे संयुक्त संचालक
- आपत्ति दर्ज कराने गए शिक्षकों के साथ अभद्रता पर आखिर शिक्षक संघ और कर्मचारी संगठनों ने क्यों साधी चुप्पी ?
- क्या सिर्फ सदस्यता लेने तक ही संघ व संगठन का काम,शिक्षकों के साथ होने वाले अन्याय से नहीं है कोई वास्ता ?
- शिक्षा का दीप जलाने वाले शिक्षकों को लूटने में विभाग की भूमिका आई सामने
- काउंसलिंग प्रक्रिया के बावजूद ठगे गए शिक्षक,काउंसलिंग प्रक्रिया भी चढ़ गया भ्रष्टाचार की भेंट
- एक तरफ कनिष्ठ शिक्षकों की जेब पर डाका,दूसरी तरफ वरिष्ठ शिक्षकों के साथ अन्याय

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 16 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

काउंसलिंग में अनियमितता की शिकायत लेकर संयुक्त संचालक सरगुजा के समक्ष पहुंचे शिक्षकों से संयुक्त संचालक ने अभद्रता की थी, जिसका स्टिंग भी हुआ था। स्टिंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और पत्रकारों तक भी पहुंच गया था। जिसमें शिक्षक व संयुक्त संचालक के बीच हुई बातों का जिक्र था। प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला पदोन्नति पदस्थापना काउंसलिंग में अनियमितता की सबूत सहित शिकायत करने संयुक्त संचालक सरगुजा के समक्ष पहुंचे, शिक्षकों के साथ संयुक्त संचालक ने पहले तो अभद्रता की, बाद में उन्होंने शिक्षकों को देख लेने की और निपटाने की धमकी भी दी। बड़े ही तमतमाए अंदाज में उन्होंने शिक्षकों को जिस तरह धमकी दी उससे शिक्षक भी भयभीत हुए। वहीं मीडियाकर्मियों के आने के बाद संयुक्त संचालक जरा नरम हुए और शिक्षकों को आपत्ति आवेदन पर पावती प्रदान करने की सहमति उन्होंने दी। संयुक्त संचालक कार्यालय की स्थापना शासन ने शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए की है। जबकि वायरल वीडियो में वर्तमान संयुक्त संचालक शिक्षकों को ही धमकी देते नजर आ रहे हैं। शिक्षकों ने पूरे वार्तालाप का विडियो भी बनाया है और उसमें स्पष्ट रूप से देखा और सुना जा सकता है की संयुक्त संचालक किस तरह आपत्ति नाम पर बिफर रहें हैं और किस तरह शिक्षकों को धमकी दे रहें हैं। इस पूरे मामले में शिक्षक संघ साथ ही अन्य कर्मचारी संगठन चुप्पी साधे बैठा है। जबकि शिक्षक संघ एवं कर्मचारी संगठनों को भी इन सभी विषयों की जानकारी थी। उसके बाद भी शिक्षकों के साथ हुए अभद्रता पर उसने एक भी शब्द बोलना जरूरी नहीं समझा। ऐसा लगा कि कहीं न कहीं शिक्षकों के साथ जो हुआ वह सही था, इस पर उन्होंने मौन स्वीकृति देते नजर आए। शिक्षक भी इस घटना के बाद संघ से नाराज नजर आ रहे हैं। जहां पर संघ का काम शिक्षकों के मान सम्मान की रक्षा करना है, वहां पर उनके साथ हुए अभद्रता पर संघ की चुप्पी समझ के परे नजर आई। इतने गंभीर विषय पर भी संघ के किसी भी बड़े या छोटे पदाधिकारी ने कोई भी स्टेटमेंट आज तक जारी नहीं किया। जिसको लेकर आम शिक्षक और कर्मचारियों में रोष व्याप्त है और ये शिक्षक और कर्मचारी समय आने पर संगठन के नेताओं को सबक का पाठ पढ़ाने को आतुर हैं।

ज्ञात हो कि पूर्व माध्यमिक शालाओं में प्रधान पाठक पदोन्नति की प्रक्रिया काउंसलिंग के बावजूद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। जिसकी सुगबुगाहट सुनाई देने लगी और अब भ्रष्टाचार के कारण पदोन्नति प्रक्रिया में प्रभावित हुए शिक्षक आक्रोश में हैं और अपने ही विभाग के अधिकारियों पर वह आरोप लगा रहें हैं, और खुद के साथ अन्याय की कहानी बयान कर न्याय की गुहार लगा रहें हैं। पूर्व माध्यमिक शालाओं में शिक्षकों को प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति मिलनी थी और पूर्व में यह पदोन्नति और पदस्थापना काउंसलिंग के बगैर की जानी थी, जो भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ जाए इसलिए काउंसलिंग की प्रकिया शासन ने तय की। शासन की काउंसलिग प्रकिया को भी विभागीय अधिकारियों ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया और शिक्षकों से जमकर पदस्थापना के नाम पर वसूली की गई। जिसका खुलासा अब होने लगा और अब पदोन्नति में भ्रष्टाचार के कारण पदोन्नति से वंचित और पदोन्नति में दूसरे जिले या ब्लॉक में पदस्थापना प्राप्त किए शिक्षक लामबंद होकर विरोध में नजर आ रहें हैं और वह चुप रहने को तैयार नहीं हैं।

सोशल मीडिया में बधाई संदेश बना मामले को उजागर होने का कारण

सामान्यतः बधाई और शुभकामनाएं संदेश लोगों के जीवन में उत्साह लेकर आते हैं। परंतु यह पहला मामला होगा जब अति उत्साहित शिक्षक कर्मचारी द्वारा समय पूर्व भ्रष्टाचार पूर्वक प्राप्त पदस्थापना स्थल को लेकर दिया गया सोशल मीडिया में बधाई संदेश उनके गले की फांस बन गया। इसी बधाई संदेश के द्वारा वरिष्ठ शिक्षकों को जानकारी हुई कि नियमानुसार जो पदस्थापना स्थल उन्हें प्राप्त होने थे, सेटिंग द्वारा वे स्थल कनिष्ठ शिक्षकों को प्राप्त हो गए हैं। यही उनके आक्रोश का कारण बना और पूरी पदोन्नति प्रक्रिया पर सवालिया निशान खड़ा हो गया। यदि यह शुभकामना संदेश सोशल मीडिया में प्रसारित नहीं होते और कुछ दिनों बाद संयुक्त संचालक कार्यालय से आदेश जारी हो जाता, तो शायद भ्रष्टाचार के इतना बड़ा मामला उजागर नहीं हो पाता। बहरहाल पूरी पदोन्नति प्रक्रिया के पदस्थापना में लेकर जो गड़बड़ी हुई है, उसके लिए जिम्मेदार कौन है, यह जांच करना और तय करना संयुक्त संचालक का विषय है। यदि गड़बड़ी की और भ्रष्टाचार की जानकारी उनके संज्ञान में नहीं थी, तो उनके अधीनस्थ ऐसे कौन कर्मचारी, अधिकारी थे जिन्होंने व्यापक पैमाने पर इतना बड़ा भ्रष्टाचार किया। यह उजागर करना उनकी जिम्मेदारी पर आयद है। यदि पूरे मामले में वे पाक साफ हैं तो मामले की जांच कर निष्पक्ष पदस्थापना सूची जारी करें। तथा ऐसे कर्मचारी जो पदोन्नति से वंचित हो रहे हों या जिन्हें असुविधा अनुसार पदोन्नति स्थल मिला हो, उन्हें दोबारा मौका दिया जावे तब तो मामले का पटाक्षेप संभव है। अन्यथा असंतुष्ट शिक्षकों द्वारा न्यायालय का रुख करना पूरी पदोन्नति प्रक्रिया को बाधित कर सकता है। मामले में यह एक बड़ा सवाल और भी है कि जिन लोगों ने सेटिंग के जरिए कनिष्ठ होते हुए भी मनचाहा पदस्थापना स्थल के लिए विकल्प पत्र भरा है, वह काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान अनुपस्थित थे। यह प्रमाणित है, और बार-बार अनाउंसमेंट करने के बावजूद भी काउंसलिंग के लिए उपस्थित नहीं हुए तथा काउंसलिंग समाप्त होने के पश्चात सेटिंग के जरिए अपना विकल्प पत्र भरा है। उन्हें नियमानुसार काउंसलिंग में अनुपस्थिति के कारण पदोन्नति से वंचित करना न्याय उचित होगा। अन्यथा उनके लिए आदेश जारी करने पर यह भी निकट भविष्य में विवाद का विषय बनेगा।

निचले क्रम के शिक्षकों को मिली मनचाही पदस्थापना,ऊपर क्रम के शिक्षकों को नहीं मिली जिले और विकासखंड में पदस्थापना

पदोन्नति में पदस्थापना काउंसलिंग के माध्यम से की जाए इसके लिए स्वयं शिक्षा मंत्री ने विभाग को पत्र लिखा था जिससे पदस्थापना में भ्रष्टाचार न हो। लेकिन विभाग के अधिकारियों ने इसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता ढूंढ निकाला और उन्होंने वरिष्ठता में निचले क्रम के शिक्षकों को मनचाही पदस्थापना प्रदान करने में उनकी मदद की। वहीं इसके लिए उगाही भी की गई। ऊपर क्रम के वरिष्ठता क्रम में शीर्ष पर आने वाले शिक्षकों को या तो मनचाही पदस्थापना नहीं मिलने पर पदोन्नति से इंकार करना पड़ा या उन्हे अन्य जिले और ब्लॉक में पदस्थापना लेनी पड़ी। कुल मिलाकर जो जिस पद के लिए योग्य व वरिष्ठ था उसे वह पद प्रदान नहीं किया गया और जो निचले क्रम पर थे उन्हे वह पद प्रदान कर दिया गया। जो साफ साफ भ्रष्टाचार का मामला है।

विद्यालयों के नाम वरिष्ठ शिक्षकों की काउंसलिंग के समय छिपाए गए

वरिष्ठता क्रम में ऊपर आने वाले शिक्षकों ने आरोप लगाया की काउंसलिंग के लिए उन्हे पूरे पद नहीं दिखाए गए और अधिकांश पदों को उजागर ही नहीं किया गया। जबकि वही पद निचले क्रम के लोगों को मिल सके और उन्हे मनचाही पदस्थापना मिल सके इसके लिए पदों को आरक्षित रख सुविधानुसार काउंसलिंग के बाद सेटिंग वाले कर्मचारियों से विकल्प पत्र भरवाया गया। जबकि काउंसलिंग के दरमियान कनिष्ठ शिक्षक काउंसलिंग प्रक्रिया में अनुपस्थित थे, जो अब प्रमाणित भी है, और जो सीधा सीधा भ्रष्टाचार का मामला है। शिक्षकों ने आरोप लगाया की वरिष्ठता सूची में उनका नाम ऊपर था, और उन्होंने पैसा नहीं दिया इसलिए उन्हे पूरे पद पदस्थापना के लिए चुनने के लिए नहीं दिखाए गए, जबकि संभाग में प्रधान पाठक के लिए रिक्त पदों की सूची में वह स्थान दर्शित किए गए थे और जिन्होंने पैसा दिया उन्हे बाद में वही पद दे दिए गए। जबकि वह कनिष्ठ थे वरिष्ठता सूची में। वरिष्ठ शिक्षकों का यह भी आरोप है की काउंसलिंग के पहले और काउंसलिंग के समय जो पद उन्हे दिखाए गए और जो दीवार में जो चस्पा किए गए उनमें अधिकांश रिक्त पद उन्हे नहीं दिखाए गए और शाम होते ही वह पद कनिष्ठ शिक्षकों से भर दिए गए जो की गलत है।

शिक्षक व संचालक के आक्रोश से मामला पहुंचा था अभद्रता तक

राज्य शासन की विशेष योजना वन टाइम रिलैक्सेशन के तहत पदोन्नति की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो रही है, जो विगत डेढ़ वर्ष तक हाईकोर्ट में लंबित रहने के कारण संभव नहीं हो पाई थी। मामले का निराकरण होने के बाद प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हुई, जिसमें वरिष्ठ क्रम के शिक्षकों को प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति मिलना है, जिनमें से सैकड़ों शिक्षक अपने शासकीय सेवा के अवसान पर हैं। और इसके बाद उन्हें किसी प्रकार की पदोन्नति की उम्मीद भी नहीं है। उन्हें बड़ी आशा और उम्मीद थी कि अपनी सेवा काल के दौरान उन्हें यह पदोन्नति निर्बाध प्राप्त होगी, परंतु भ्रष्टाचार के कारण जब उन्हें अंतिम पदोन्नति में बाधा उत्पन्न नजर आई तो वे आक्रोशित हो गए और संयुक्त संचालक के निरर्थक आक्रोश ने चिंगारी को और हवा दी। जिसका परिणाम यह हुआ कि विवाद की स्थिति निर्मित हुई, अन्यथा सामान्य से दिखने वाला यह मामला केवल छोटी सी जांच से ही निपट सकता था।

संयुक्त संचालक शिक्षको की आपत्ती को देख, सुन व समझ कार्यवाही का दे सकते थे आश्वासन, पर कर बैठे अभद्रता

क्योंकि मामला शिक्षक पदोन्नति के गंभीर मसले से जुड़ा था और वर्षों के अथक प्रयास से जिन शिक्षकों की पदोन्नति होना था, भ्रष्टाचार के कारण या तो उन्हें पदोन्नति से वंचित होना पड़ रहा था या दुर्गम स्थान में पदस्थापना लेना मजबूरी बन रही थी। इस शिकायत को संयुक्त संचालक गंभीरता पूर्वक सुन सकते थे, और जांच तथा निराकरण का आश्वासन देकर मामले का पटाक्षेप कर सकते थे। वहीं उनके भड़कीले व्यवहार ने मामले को और संदेहास्पद बना दिया। जिसका परिणाम यह है कि यदि निष्पक्ष सूची जारी नहीं होती है तो वंचित शिक्षक समुदाय आंदोलन और न्यायालय का रुख कर सकते हैं। जो मामला सौहार्दपूर्ण वातावरण में आसानी से निपट सकता था, उसे संयुक्त संचालक द्वारा विवादित स्थिति में लाकर छोड़ना पूरे पदोन्नति प्रक्रिया में पदस्थापना को लेकर संदेह उत्पन्न करता है।

चोरी के मोटर सायकल सहित एक आरोपी को थाना रामानुजनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

विगत शुक्रवार को ग्राम उमापुर निवासी सत्यदेव पुरी ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 11 अप्रैल को अपने बजाज प्लेटिना मोटर सायकल को लेकर साप्ताहिक बाजार गया था जहां मोटर सायकल खड़ा कर सामान लेने गया जब वापस आया तो देखा कि मोटर सायकल वहां नहीं है किसी अज्ञात चोर के द्वारा मोटर सायकल चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश चौकी प्रभारी करंजी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में थाना रामानुजनगर पुलिस चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही मोहम्मद इरशाद उर्फ बाबा पिता मोहम्मद मुकतार खान उम्र 35 वर्ष निवासी नावापारा सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर चोरी का एक मोटर सायकल कीमत 27000 रूपये को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर विपिन लकड़ा, प्रधान आरक्षक हंसराम कनेडिया, आरक्षक दीपक यादव, धनंजय गुप्ता व सैनिक दिनेश यादव सक्रिय रहे।

एआईजी यातायात ने एनएच 43 के ब्लैक स्पॉट का किया निरीक्षण

- सुरक्षात्मक उपाए किए जाने के दिए निर्देश।

- संवाददाता -
सूरजपुर, 16 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

राज्य एवं जिला स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा उपायों की स्थिति के आकस्मिक निरीक्षण के क्रम में शनिवार को जिला परिक्षेत्र में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं एआईजी (यातायात) संजय शर्मा के द्वारा अम्बिकापुर से मनेन्द्रगढ़ मार्ग नेशनल हाईवे-43 के ब्लैक स्पॉट का बारीकी से निरीक्षण कर सुधारात्मक उपायों के बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने जिले को प्राप्त हाईवे पेट्रोलिंग वाहन एवं उसके उपकरणों को चेक किया तथा यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय व उनकी टीम को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार करते हुए बेहतर उपचार के लिए निकटतम अस्पताल ले जाने के निर्देश दिए।

इन ब्लैक स्पॉट पर किए जाए सुरक्षात्मक उपाए।

एआईजी संजय शर्मा के द्वारा एनएच 43 छत्तीसगढ़ ढ़ाबा के पास स्पष्ट दृश्यता (क्लीयर विजिविलिटी) हेतु मेन मार्ग से मिलने वाले सहायक मार्ग पर समुचित प्रकाश व्यवस्था एवं दुर्घटनाजन्य खण्ड का बोर्ड लगवाने, मार्ग पर लगे रंबल स्ट्रीप का सुधार, टैऊफिक कामिंग के उपाय, रोड मार्किंग, जेब्रा क्रासिंग का सुधार करने तथा नगर के कालेज मोड़ पर कालेज गेट के सामने वाहन खड़ा न करने का बोर्ड लगवाने, मोड़ के पास रोड़ क्रासिंग को पूर्णतः बंद कराने तथा मनेन्द्रगढ़-अम्बिकापुर मार्ग पर श्रृंगारिका स्टोर के पास रंबल स्ट्रीप लगवाने के निर्देश दिए।

टेमरी में आयोजित तीन दिवसीय पांच कुंडली गायत्री यज्ञ संपन्न

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर/पांडवपारा कॉलरी 16 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत टेमरी में आयोजित तीन दिवसीय पांच कुंडली गायत्री यज्ञ संपन्न हो गया, जिसमें बढ़-चढ़कर श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया, 14 अप्रैल को यज्ञ प्रारंभ हुआ था और 16 अप्रैल को समापन हुआ, गायत्री प्रज्ञा पीठ सावारावा के तत्वाधान में हनुमान सेवा समिति टेमरी द्वारा आयोजित किया गया था। तीन दिवसीय आयोजित गायत्री यज्ञ में महिला,पुरुष व बच्चे सभी ने हिस्सा लिया और यह तीन पूरा क्षेत्र भक्ति मय रहा।

आयोजित तीन दिवसीय पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ पूरे महायज्ञ कार्यक्रम का आयोजन हनुमान सेवा समिति टेमरी व समस्त ग्रामवासी ने की थी। वेदमूर्ति पं.श्रीराम शर्मा आचार्य एवम माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्य संरक्षण में विश्व कल्याण हेतु पांच कुंडली गायत्री महायज्ञ एवम प्रज्ञापुराण कथा का आयोजन ग्राम टेमरी के तुरिया पारा में बीते शुक्रवार से आयोजित किया गया था। जहां शुक्रवार को मंगल कलश यात्रा व स्थापना और कथा,शनिवार को हवन पूजा, कथा एवं दीप यज्ञ तथा रविवार हवन पूजन,भंडारा एवम विसर्जन किया गया।

सूरजपुर पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर लगाम कसने के लिए चलाया अभियान

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

- 144 वाहन चालकों के विरूद्ध हुई एमव्ही एक्ट की कार्यवाही,
- 46900 रूपये वसूल की गई समन शुल्क

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देश के बाद जिले के थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया और शनिवार को 1500 लोगों का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस ने छोटे-बड़े सभी वाहनों को रोकवाकर वाहन चालक शराब का सेवन किए है या नहीं उसकी जांच ब्रेथ एनालाइजर से किया, हालाकि कोई भी वाहन चालक शराब के नशे में नहीं पाया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में सड़क हादसों को रोकने की दिशा में पुलिस अधिकारियों के द्वारा किए गए इस चेकिंग अभियान में 144 वाहन चालक जो बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीटबेल्ड, दो पहिया वाहन में तीन सवारी व बिना दस्तावेज एवं यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कार्यवाही कर 46900 रूपये का समन शूल्क अर्जित कर शासन के कोष में जमा किया है। इस दौरान पुलिस के अधिकारियों ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की समझाईश भी दिया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की भी चेकिंग की गई।

गुडघेला नाला से सिंघत पहुंच मार्ग पर उठने लगा सवालिया निशान

सड़क निर्माण कार्य पर सिर्फ खानापूर्ति कर करोड़ो की राशि चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

लापरवाह कौन...विभागीय अधिकारी या ठेकेदार...?

- राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग के द्वारा सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ताविहीन होने से ठेकेदार व विभाग के मिली भगत की आशंका ग्रामीणों ने व्यक्त किया है,236.48 लाख रुपये की लागत से बने गुडघेला नाला से सिंघत पहुंच सड़क नव निर्मित सडक निर्माण में काफी भ्रष्टाचार किया गया है गुडघेला नाला से सिंघत पहुच मार्ग में डोभापारा बस्ती के आगे खेत में बनी पुलिया से लेकर आंगनबाड़ी केंद्र तक इस सड़क पर किए गए डब्लू एम एम की सामाग्री में इस्तेमाल किया गया गिट्टी का साइज़ 70 से 80 एम एम का उपयोग किया गया है जबकि इस सड़क पर डब्लू एम एम प्लांट से सड़क निर्माण कार्य की सामाग्री का मिश्रण तैयार कर सड़क निर्माण कार्य में बिछाना था जो ठेकेदार ने नहीं किया है और विभागीय सांठ गाँठ कर सड़क निर्माण कार्य करा दिया गया है जिससे सड़क उखड़ने का प्रमाणित भी हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा लोक निर्माण विभाग पर गंभीर आरोप भी लगाया जा रहा है कि सड़क निर्माण कार्य में सड़क की निचली सतह और सडक की चौड़ाई मोटाई में भी ठेकेदार के द्वारा कमी की गई है जिससे सड़क के निर्माण पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है ? सडक निर्माण कार्य मे हुए डामरीकरण कार्य महज चंद दिनों में ही उखडने लग गई है।

ज्ञात हो की लगभग 236.48 लाख रुपये की लागत से निर्माण हुए गुडघेला नाला से सिंघत पहुंच सड़क निर्माण कार्य में इन दिनों भारी अनियमितता देखने को मिल रही थी और इस सड़क निर्माण कार्य की कई शिकायतें की गई पर किसी प्रकार की उच्च अधिकारियों के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया गयाहै, जिससे सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई इस मार्ग पर ठेकेदार और विभागीय अधिकारी के द्वारा स्तरहीन निर्माण कार्य कराया गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य पर सवालिया निशान उठाते हुए कहा है कि ठेकेदार और विभाग के मिली भगत से सड़क निर्माण कार्य के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति किया गया है,

सड़क निर्माण कार्य के लिये आवश्यक गुणवत्ता मापदंड का खुले आम यहाँ धज्जियां उड़ाते हुए शासन के मापदंड का उल्लंघन करना सपष्ट दिखाई दे रहा है। इस मार्ग से सिर्फ छोटे चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों व हल्के वाहनों का आवगमन रहता है सड़क के गुणवत्ता विहीन निर्माण से सड़क चंद दिनों में ही डामरीकरण कार्य उखडने भी लग गई है।

वहीं गांव के निवासी अशोक साहू ने भी गुणवत्ता विहीन सडक निर्माण कार्य के विरोध में सोशल मीडिया ग्रुप में पोस्ट भी किया था कि गुडघेला नाला से सिंघत पहुंच मार्ग का डामरीकरण हुए दो दिन हुआ है और उखडना भी चालू हो गया जिसमें लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंगी विभाग के अधिकारी भी ठेकेदार के इशारे पर निर्माण कार्य को इल्ज़ाम तक पहुंचने में पूरा सहयोग कर रहे थे ।

जबकि इस सड़क निर्माण कार्य को गुडघेला नाला से सिंघत पहुंच मार्ग के डामरीकरण निर्माण कार्य को एमसीबी कलेक्टर महोदय ने निरीक्षण किया था और इस दौरान गुणवत्ता विहीन होने के कारण सडक निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही गिट्टी को तत्काल प्लांट से हटाने का आदेश भी दिया था और जाच के आदेश भी दिये थे मगर उसके बाद भी ठेकेदार के द्वारा उसी गिट्टी से डामरीकरण कार्य को ठेकेदार के द्वारा पूर्ण किया गया आज वहीं सडक जिसकी लागत करोड़ों रुपये की है वो निर्माण के चंद दिनों बाद ही जगह जगह पर उखडने लग गई है।

अब कया लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इस तरह के गुणवत्ता विहीन एवं घटिया निर्माण कार्य कि जिम्मेदारी लेंगे या इस ठेकेदार के साथ साठगांठ कर इस सड़क निर्माण कार्य के लागत राशि के बिल आहरण कराने में भरपूर सहयोग करेंगे?

इस तरह के कृत ठेकेदार और विभागीय अधिकारीयों की मिली भगत से होना भ्रष्टाचार की तरफ संकेत करते हैं और करोड़ो की राशि का बन्दरबांट होता दिखाई दे रहा है?

युवक की मार्मिक अपील, मदद कर बचा लीजिए मेरी जान

- संवाददाता -
कोरबा, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

जिले के वार्ड क्रमांक 11 लक्ष्मण वन तालाब के समीप रहने वाले एक परिवार अपने 25 वर्षीय बेटे की दोनों किडनी फेल होने की सूरत में बेहद विकट परिस्थिति से घिर चुका है. परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद बदहाल होने के चलते अपने लाडले के उपचार के लिए भारी-भरकम खर्च इस परिवार के लिए किसी पहाड़ से कम नहीं द्व परिवार के मुखिया ने बताया कि उसके 25 वर्षीय बेटे छवि दास को पिछ्ले वर्ष तकलीफ होने पर शहर के एक नामी चिकित्सक के पास दिखाया गया जहां साल भर इलाज करने के पश्चात डॉक्टर ने बताया कि दोनों किडनी खराब हो चुकी है और उसे जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए भेज दिया द्व इलाज में सुधार न होने पर परिजनों ने रायपुर बिलासपुर सभी जगह इलाज कराया, लेकिन कहीं से आराम नहीं द्वद्वद्यड्ड द्व अब घर की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है, उन्होंने बताया कि परिवार के सभी सदस्य रोजी मजदूरी करके अपना घर चला रहे हैं लेकिन युवक के इलाज में लाखों रुपए खर्च हो जाने के कारण अब परिवार का भरण पोषण भी मुश्किल हो गया है द्व अब परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि युवक का इलाज करा पाना संभव नहीं दिख रहा है इलाज मदद के लिए परिवार के लोगों ने मुख्यमंत्री,स्वास्थ्य मंत्री,जिला कलेक्टर सहित शहर के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया है परंतु अभी तक किसी प्रकार की मदद नहीं मिली है द्व परिवार के सभी सदस्यों ने कोरबा के समाजसेवी,जनप्रतिनिधियों एवं लोगों से मदद करने की गुजारिश की है जिससे कि युवक का इलाज हो सके और उसकी जान बचाई जा सके।

भाजपा कार्यालय में हुआ भाजयुमो का संभाग स्तरीय बैठक

आगामी कार्यक्रम को लेकर बनी रणनीति

- संवाददाता -
कोरबा, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा संभाग बिलासपुर की संभाग स्तरीय बैठक जिला भाजपा कार्यालय कोरबा में आयोजित की गई जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में भाजयुमो प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर प्रमुख रूप से शामिल हुए जिन्होंने प्रदेश से तय आगामी कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 24 से 26 अप्रैल के बीच युवाओं को ठगने वाले भूपेश सरकार के खिलाफ जिला रोजगार कार्यालय का घेराव किया जायेगा , द्वितीय चरण में 03 से 09 मई तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध पदयात्रा निकाली जाएगी, 15 या 16 मई को भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक दिवसीय भूख हड़ताल किया जायेगा साथ ही 25 से 30 मई के बीच संभाग स्तरीय आंदोलन की भी

रणनीति बनाई गई है,जल्द ही भाजयुमो नवमतदाता अभिनंदन कार्यक्रम भी करेगी, बैठक में बिलासपुर संभाग के 8 जिलों के पदाधिकारी शामिल हुई जिन्होंने आगामी सभी कार्यक्रम को प्रभावी रूप से करने प्रदेश महामंत्री को आश्वस्त किया, इस अवसर पर प्रमुख रूप से रामपुर विधानसभा विधायक ननकी राम कंवर,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन, पूर्व खाद्य आयोग अध्यक्ष ज्योति नंद दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह , महामंत्री संतोष देवांगन जी,संभाग भाजयुमो प्रभारी रितेश मोहरे, जिला भाजयुमो प्रभारी राजेश बेहरा, सह प्रभारी रितेश अग्रवाल,भाजयुमो कोरबा जिलाध्यक्ष पंकज सोनी,महामंत्री नरेंद्र देवांगन सहित बिलासपुर संभाग के 8 जिले के जिलाध्यक्ष, महामंत्री, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, विधान सभा प्रभारी, सह प्रभारी आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रेत तस्करों को किसी का डर नहीं खुलेआम दे रहे मारपीट को अंजाम

रेत के अवैध कारोबार को रोकने आए युवक पर बेलचा से हमला हुआ घायल

- संवाददाता -
कोरबा, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा में रेत तस्करों को किसी का डर नहीं है। नदी का सीना छलनी कर रेत के अवैध कारोबार में लिप्त तस्कर अब लोगों के साथ मारपीट की घटनाओं को भी अंजाम देने लगे है। ऐसा ही कुछ राताखार स्थित हसदेव नदी के पास देखने को मिला जहां रेत माफिया के लोगों ने सब्जी बाड़ी मालिक को पीट-पीटकर लहुलुहान कर दिया। मामला आज सुबह 07बजे का है जब रेत तस्करों द्वारा राताखार स्थित हसदेव नदी से रेत निकाल रहे थे तभी नदी किनारे बाड़ी में काम कर रहे युवक ने इन्हे रेत निकलने से मना किया तभी रेत निकाल रहे युवकों में से एक युवक को यह बात नगंवरद्ध और उसने मना कर

रहे युवक पर बेलचा से हमला कर दिया जिससे सब्जी बाड़ी मालिक किरण महतो को काफी चोट लगी और उसके सिर पर गहरे जख्म भी हो गए । आनन फानन में स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल में भर्ती करद्धया गया है। पुलिस को पूरी घटना से अवगत करा दिया गया है जिसके बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरु कर दी गई है। इस घटना के बाद राताखार बस्ती में रहने वाले लोगों में आक्रोश का माहौल देखा जा रहा है। सूत्रों की माने तो मारपीट की इस घटना में बतरा ट्रेडर्स के लोगों का नाम सामने आ रहा है जिनके द्वारा बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन किया जाता है। घटना के सामने आने के बाद आरोपी ट्रेक्टर को मौके पर छोड़कर फरार हो गया । बताया जा रहा है,कि बतरा ट्रेडर्स के संचालक अवैध रुप से रेत का उत्खनन कर उसे मनचाहे दाम पर बेच रहे है। बहरहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरु कर दी गई है देखने वाली बात होगी,कि आरोपियों के खिलाफ कब तक कार्यवाही होती है।

सह प्रभारी की बैठक में फूटा कांग्रेसियों का गुस्साःबोले-हमारी सरकार है,फिर भी हमें परेशान किया जा रहा,प्रशासन के खिलाफ नाराजगी

- संवाददाता -
कोरबा, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा में कांग्रेस सह प्रभारी विजय जांगिड़ की बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट गया। उन्होंने कहा कि सरकार हमारी है। फिर भी हमारी नहीं सुनी जाती है। हमें परेशान किया जा रहा है। ये ठीक नहीं है। इस बैठक में जिला कांग्रेस के तमाम पदाधिकारी भी मौजूद थे।

शनिवार को विजय जांगिड़ बैठक लेने के लिए पहुंचे थे। जहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद बैठक शुरू की गई। बैठक में मंत्री जयसिंह अग्रवाल, कटघोरा विधायक पुरुषोत्तम कंवर, पाली तानाखार विधायक मोहितराम केरकेट्?टा, महापौर राज किशोर प्रसाद समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

उधर बैठक चल ही रही थी। इसी दौरान किसी ने यह मुद्दा उठा दिया। कार्यकर्ता ने कहा प्रशासन हमारी बात सुनता ही नहीं है। हमारे कांग्रेस पार्षद अमरजीत सिंह के खिलाफ मारपीट के मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। वो आरोप झूठे हैं।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह सभी जयसिंह अग्रवाल के समर्थक हैं। इसलिए जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। इस बात को लेकर बैठक में काफी गहमा गहमी रही। वहीं कांग्रेस नेता मारपीट के मामले में आईजी से भी मुलाकात कर चुके हैं। पूरा मामला कुसमंडा खदान में ड्राइवर के साथ मारपीट से जुड़ा हुआ है।

पुलिस ने चोरी के मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा यू उदय किरण के दिशा निर्देश में ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी पाली राजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में बेहतर पुलिसिंग प्रभावशील बनाने के लिए एवं अपराध पर अंकुश लगाने आपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम हेतु कार्यवाही की जा रही है जो दिनांक 15.04.2023 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम रंगोले निवासी रवि किशन चौहान पिता लाला चौहान, उम्र 23 साल, साकिन रंगोले, पाली, जिला कोरबा (छ.ग.) अपनी घर के बाड़ी में एक सोल्ड मोटरसाइकिल को छुपा कर रखा है, बेचने के फिराक में लोगों को संपर्क कर रहा है कि घटनास्थल पर जाकर तस्दीक कार्यवाही पर्यन्त रवि किशन को पूछताछ करने पर आरोपी के कब्जे से एक सोल्ड होंडा सीबी शाइन मैरून कलर इंजन नंबर JC65E-D446095 चेसिस नंबर का ME5JC651AG7296016 कीमत लगभग 40000 /- रुपये को गवाहों के समक्ष जब्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। अपराध सदर का घटित करना पाये जाने पर धारा 41 (1-4) / 379 भादवि0 के तहत थाना में मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक रिमांड तैयार कर माननीय न्यायालय जेएमएफसी पाली में पेश करने पर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। उक्त प्रकरण में तस्दीकी एवं विवेचना कार्यवाही में थाना पाली पुलिस स्टाफ निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव प्रआर. 319 ईश्वर सिंह राजपूत, प्रआर 387 रामू कुर्मी, आरक्षक गीतेश देवांगन, तेज प्रकाश अजय, आरक्षक शैलेन्द्र तंवर, आरक्षक विवेक तिर्की, आरक्षक चन्द्र प्रकाश रात्रे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आजीविकामूलक गतिविधियों से सम्पन्न हो रहीं समूह की महिलाएं

- संवाददाता -
कोरिया, 16 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

जिले के गौठानों में विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों के संचालन से समूह की महिलाएं आर्थिक रूप सम्पन्न हो रहीं हैं। इन्हीं गतिविधियों का जायजा लेने शनिवार को जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता जैन ने विकासखण्ड सोनहत के बोडार गौठान का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने गौठान में गोबर खरीदी की जानकारी ली तथा नियमित रूप से खरीदी जारी रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्व सहायता समूह की महिलाओं से

जिला पंचायत सीईओ ने महिलाओं का किया उत्साहवर्धन,नवीन गतिविधियों हेतु किया प्रेरित

गौठान में संचालित आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नवीन गतिविधियों हेतु महिलाओं को प्रेरित किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वर्मी कम्पोस्ट खाद का निर्माण कर रहीं माँ रमदईया स्वसहायता समूह की महिलाओं ने श्रीमती जैन को बताया कि उन्होंने अब तक 681.30 क्विंटल खाद का विक्रय किया है, समूह की अध्यक्ष मालती ने बताया कि समूह द्वारा गौठान में बाड़ी का भी कार्य किया जा रहा है यहां उन्होंने वर्तमान में मिर्च, टमाटर, आलू लगाए हैं, जिनके विक्रय से उन्हें 12 हजार का शुध्द लाभ हुआ है। इसी प्रकार गौठान में आराधना तथा गंगा स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मशरूम उत्पादन का कार्य किया जा रहा है।

सुपरकिंग्स और आरसीबी के बीच मुकाबला आज

बेंगलुरू,16 अप्रैल 2023। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ जब मैदान पर उतरेगी तो उसकी नजरें बीच के ओवरों में रन गति बढ़ाने पर टिकी होंगी और साथ ही टीम को उम्मीद होगी कि घुटने की हल्की चोट के बावजूद उसके प्रेरणादायी कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मैच में खेलेंगे। अब तक उतार-चढ़ाव भरे अभियान के बाद दक्षिण भारत की ये दो टीम जब चिन्नास्वामी स्टेडियम में आमने-सामने होंगी तो दोनों की नजरें लय हासिल करने पर टिकी होंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत से ही धोनी अपने घुटने को लेकर परेशान हैं लेकिन अब तक उन्होंने टीम की ओर से चारों मुकाबले खेले हैं। सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन को उम्मीद है कि धोनी आरसीबी के खिलाफ टीम की अगुआई करेंगे।

उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि वह मैच से बाहर रहेगा लेकिन हमें कल शाम तक इंतजार करना होगा।'' इस हफ्ते घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार के दौरान धोनी को लड़खड़ाते हुए देखा गया था जिससे आरसीबी के खिलाफ मैच में उनकी उपलब्धता को लेकर सवाल उठाने लगे थे। धोनी रॉयल्स के खिलाफ आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे लेकिन प्रभाव छोड़ने में सफल रहे और उनकी टीम के पास अंतिम गेंद तक जीत दर्ज करने का मौका था। सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे अपना काम बखूबी कर रहे हैं जबकि तीसरे नंबर पर अजिंक्य रहाणे ने भी प्रभावित किया है लेकिन मध्य क्रम से टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अंबाती रायुडू, शिवम दुबे और रविंद्र जडेजा जैसे बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाए हैं।

टीम का गेंदबाजी विभाग भी चोटों से परेशान है। पहले दीपक चाहर बाहर हो गए और अब तेज गेंदबाज

सिसांडा मगाला के भी कम से कम दो हफ्ते बाहर रहने की आशंका है। स्टार ऑल राउंडर बेन स्टोक्स के भी इस महीने के अंत तक ही पूर्ण फिटनेस हासिल करने की उम्मीद है।

दूसरी तरफ पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराने वाली आरसीबी की टीम इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं और टीम के लिए तेजी से रन जुटा रहे हैं।

कोहली के साथ पारी का आगाज कर रहे कप्तान फाफ डुप्लेसी भी उनका अच्छा साथ निभा रहे हैं। सुपरकिंग्स की तरह आरसीबी का मध्यक्रम भी उम्मीद पर खरा नहीं उतर पाया है। ग्लेन मैक्सवेल ने प्रभावी रन रेट से रन जुटाए हैं लेकिन शाहबाज अहमद और महिपाल लोमरोर बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले दिनेश कार्तिक मौजूदा सत्र में 'फिनिशर' की भूमिका में प्रभावित नहीं कर पाए हैं। गेंद से मोहम्मद सिराज ने प्रभावी प्रदर्शन किया है लेकिन टीम को डेथ ओवरों के विशेषज्ञ हर्षल पटेल से बेहतर गेंदबाजी की उम्मीद होगी जिन्होंने चार मैच में लगभग 11 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं।

टीम इस प्रकार हैं- चेन्नई सुपर किंग्स- महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडू, मोईन अली, बेन स्टोक्स, रविंद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसांडा मगाला, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हेंगरगेकर, मिशेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथीसा पथिराना, महेश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद और तुषार देशपांडे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर- फाफ डुप्लेसी (कप्तान), विराट कोहली, मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, दिनेश कार्तिक, शहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलेन, सुयश प्रभुदेसाई, कर्ण शर्मा, सिद्धार्थ कौल, डेविड विली, वेन पार्नेल, हिमांशु शर्मा, मनोज भांडगे, राजन कुमार, अविनाश सिंह, सोनू यादव और माइकल ब्रेसवेल। समय- मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

डीसीसीआई क्रिकेट कैलेंडर तैयार करेगा

» बीसीसीआई के क्रिकेट ढांचे में अपने खिलाड़ियों के लिए भूमिका तलाशेगा

अहमदाबाद ,16 अप्रैल 2023। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के गठन के बाद, डीसीसीआई की फिजिकल डिसएबिलिटी विंग ने अहमदाबाद में रविवार को अपनी पहली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित की। जिसका आयोजन गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) की डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट कमेटी ने किया था।

बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों से परिषद के 31 सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें असम, मणिपुर और त्रिपुरा के प्रतिनिधि शामिल थे, जो देश के पूर्वोत्तर राज्यों में खेल के अत्यधिक विकास को दर्शाता है।

एजीएम का मुख्य एजेंडा आने वाले साल के लिए खिलाड़ियों के लिए एक क्रिकेट कैलेंडर बनाना था ताकि खिलाड़ियों को पता रहे कि उन्हें किस टूर्नामेंट के लिए और किस समय तैयार रहना है। इस क्रिकेट कैलेंडर को बीसीसीआई के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा और डीसीसीआई ने व्यक्त किया कि इसे जय शाह और अन्य सदस्यों द्वारा पारित किया जाएगा क्योंकि बीसीसीआई डीसीसीआई के सदस्यों की मदद करने के लिए तैयार है।

एजीएम की शुरुआत डीसीसीआई के सचिव और बीसीसीआई की दिव्यांग क्रिकेट समिति के सदस्य रवि चौहान के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल में उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर पैदा करने के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने विकलांग क्रिकेटरों के लिए टूर्नामेंट और कार्यक्रम आयोजित करने में

परिषद के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बात की। क्रिकेट के इस रूप के लिए एक संरचना बनाने और खिलाड़ियों के लिए एक ठोस मंच प्रदान करने और पूरे डीसीसीआई को सुव्यवस्थित करने की दिशा में काम करने पर जोर दिया गया।

हमें हर राज्य में अलग-अलग विकलांग व्यक्तियों के बीच खेल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल करनी चाहिए। जैसा कि जय शाह जी लगातार हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं, हम इस अवसर को कुछ ऐसा बनाने से नहीं चूक सकते जो वास्तव में ऐतिहासिक हो और जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करे। रवि चौहान ने कहा।

एजीएम में चर्चा का एक अन्य महत्वपूर्ण विषय डीसीसीआई की नौकरी सृजक के रूप में भूमिका थी। जिन खिलाड़ियों ने खेलने की उम्र पार कर ली है, लेकिन कई वर्षों तक खेल की सेवा की है, उन्हें स्कोरर और अंपायर बनने या किसी भी रूप में क्रिकेट प्रणाली का हिस्सा बनने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। चौहान ने कहा, कई खिलाड़ियों ने इस खेल को अपना सर्वश्रेष्ठ समय दिया है और अब हमें उनके बारे में सोचना चाहिए।

इसके अलावा, अक्टूबर-नवंबर, 2023 के महीने में आईसीसी के अपने विश्व कप के ठीक बाद शारीरिक रूप से अक्षम क्रिकेटरों के लिए क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी के संबंध में बीसीसीआई से अनुरोध करने पर सहमति हुई। 2019 के बाद इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड द्वारा इसी तरह का आयोजन किया गया था। वनडे विश्व कप। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया खेल को बढ़ावा देने और अलग-अलग तरह के क्रिकेटरों के लिए उत्कृष्टता के अवसर पैदा करने के एक और सफल वर्ष के लिए तत्पर है।

विराट कोहली की आरसीबी का स्टार खिलाड़ी आईपीएल से हुआ बाहर

» बीसीसीआई सर्जरी के लिए भेजेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली ,16 अप्रैल 2023। आईपीएल 2023 की शुरुआत में ही आरसीबी के खिलाड़ी रजत पाटीदार के चोटिल होने की खबर सामने आई थी। मध्य प्रदेश के इस स्टार क्रिकेटर को चोट की वजह से पूरे आईपीएल से बाहर होना पड़ा। मेडिकल जांच में पाया गया कि रजत पाटीदार को बाई एड़ी की सर्जरी की जरूरत पड़ेगी। अब इसको लेकर एक बड़ी ख़बर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई ने कहा है कि वह रजत पाटीदार की सर्जरी का सारा खर्च उठाएगा। इसकी जानकारी एक बीसीसीआई अधिकारी ने दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह बताया गया कि बीसीसीआई रजत पाटीदार को सर्जरी के लिए इंग्लैंड भेजेगा। हालांकि, वह सैंट्रल कांट्रेक्ट लिस्ट में नहीं है, लेकिन वह एक टार्गेटेड खिलाड़ी है। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें बेहतर इलाज मिले। उन्हें कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शामिल किया गया था, लेकिन वह डेब्यू नहीं कर सके थे।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने एक स्टेटमेंट में कहा था कि दुर्भाग्य से रजत पाटीदार एड़ी की चोट के कारण आईपीएल 2023 से बाहर हो चुके हैं। हम उम्मीद करेंगे कि रजत जल्दी ठीक हो जाए, हम इस प्रक्रिया में उनका साथ देंगे। बता दें कि रजत पाटीदार वही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2022 में आरसीबी के लिए प्लेऑफ में शानदार शतक जड़ा था।

अब खत्म हुआ अर्जुन तेंदुलकर का इंतजार,मिला डेब्यू का मौका

नई दिल्ली ,16 अप्रैल 2023। अर्जुन तेंदुलकर जिस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वो आखिरकार आ ही गया है. जिस कैप को पहनने का वो दिन रात सपना देख रहे थे, वो कैप आईपीएल 2023 के 22वें मुकाबले में उन्हें मिल ही गई. अर्जुन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया.

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे को मुंबई ने 2021 में 20 लाख रुपये की बेस प्राइस में पहली बार खरीदा था. हालांकि अर्जुन चोट की वजह की 2021 में लीग से बाहर हो गए थे. 2022 में मुंबई ने उन्हें फिर खरीदा था, मगर उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल पाया. उनका पूरा सीजन बेंच पर बैठकर बीता. आईपीएल 2023 में अर्जुन का इंतजार खत्म हुआ. 2 मैच हारने के बाद मुंबई ने उन्हें डेब्यू का मौका दिया. इससे पहले वो मैदान पर अपने साथी खिलाड़ियों को पानी पिलाते हुए नजर आए थे. टॉस से पहले मुंबई इंडियंस के नियमित कप्तान रोहित ने उन्हें डेब्यू कैप दी. हालांकि इस मुकाबले में रोहित की जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे हैं.

अर्जुन पिछले साल घरेलू सीजन शुरू होने से पहले मुंबई छोड़कर गोवा चले गए थे और उन्होंने गोवा की तरफ से लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था. पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली, हरभजन सिंह ने अर्जुन को डेब्यू की बधाई दी. गांगुली ने कहा कि मुंबई के लिए अर्जुन को खेलते हुए देखकर अच्छा लगा. चैंपियन पिता को गर्व होगा. हरभजन ने अर्जुन को बधाई देते हुए सचिन तेंदुलकर के लिए कहा कि पाजी के साथ साथ हमारे लिए भी गर्व वाला पल है.

प्रमोद भगत एकल और युगल फाइनल में

नई दिल्ली ,16 अप्रैल 2023। प्रमुख शटलर प्रमोद भगत ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 के एकल फाइनल में पहुँच गए हैं। उन्होंने अपने युगल जोड़ीदार सुकान्त कदम के साथ टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में भी जगह बना ली है। प्रमोद भगत ने जापान के डाइसके फुजिहारा के खिलाफ मुकाबला कड़े संघर्ष में एक घंटे 26 मिनट में 19-21, 21-19, 21-12 से जीता। फुजिहारा ने पहला गेम 21-19 से जीत लिया लेकिन प्रमोद ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए इसे 21-19 से जीतकर मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। प्रमोद ने निर्णायक गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हुए 21-12 से जीत हासिल की और फाइनल में पहुँच गए। प्रमोद का फाइनल में हमवतन कुमार नितेश से मुकाबला होगा।

पुरुष युगल में प्रमोद और सुकान्त ने हमवतन कुमार नितेश और तरुण को 21-17, 21-16 से हराया। फाइनल में भारतीय जोड़ी का कोरिया के जू दोंगजेई और शिन क्युंग ह्वान से मुकाबला होगा। इस बीच सुकान्त कदम हमवतन तरुण से एकल सेमीफाइनल में 52 मिनट में 16-21, 21-19, 12-21 से हार गए।

नितीश राणा और रितिक शौकीन के बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता है जो आईपीएल तक पहुंच गई

अहमदाबाद ,16 अप्रैल 2023। यह घटना वानखेड़े स्टेडियम में उनके मैच के नौवें ओवर में घटी जब मुंबई इंडियंस के गेंदबाज ने राणा को केकेआर के कप्तान को आउट करने के बाद जल्दी से जल्दी कर दिया, जो अपनी पटरियों पर रुक गए और गेंदबाज पर कुछ शब्द फेंके।

शौकीन ने राणा को स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक रमनदीप सिंह के हाथों लॉन्ग ऑन पर कैच कराया और तुरंत कुछ शब्द कहने के लिए बल्लेबाज की दिशा में देखा। लेकिन जैसे ही राणा युवा खिलाड़ी के आरोप का जवाब देने के लिए पीछे मुड़े, मुंबई इंडियंस के स्टैंड-इन कप्तान सूर्यकुमार यादव और खेल के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी पीयूष चावला ने तनाव कम करने के लिए कदम बढ़ाया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि राणा और शौकीन दोनों ही घरेलू क्रिकेट में दिल्ली की टीम के साथी हैं, लेकिन वे ड्रेसिंग रूम में भी बात नहीं करते हैं। रविवार दोपहर को हुआ यह विवाद एकबारगी नहीं था क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों के बीच एक इतिहास रहा है। यदि राणा का बल्ले से सामान्य खेल था, 10 गेंदों पर पांच रन के लिए गिरना, शौकिन रविवार को एक व्यस्त खिलाड़ी थे, क्योंकि कवर प्वाइंट पर कैमरन ग्रीन की गेंद पर संघर्षरत एन जगदीसन को जल्दी आउट करने के लिए एक तेज कैच लेने के बाद उन्होंने 4-0 से वापसी की। -39-2 जबकि केकेआर के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का भी हिसाब।

दुनियाभर में बजा अजय देवगन की 'भोला' का डंका, 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई फिल्म

अजय देवगन और तब्बू स्टारर 'भोला' ने फाइनली ग्लोबली बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. इस माइल्स स्टोन को पार करने में फिल्म को 17 दिन लगे. 'भोला' अपने तीसरे हफ्ते में है और फिल्म के लिए सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान' (21 अप्रैल को रिलीज) के रिलीज से पहले घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी अभी कोई कम्पटीशन नजर नहीं आ रहा है. ऐसे में फिल्म तीसरे वीक में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा का घरेलू नेट बिजनेस कर सकती है.

बात करें 16वें दिन की कमाई की तो तीसरे शुक्रवार को अजय देवगन की फिल्म भोला ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1.80 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई अब 80.29 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं भोला का वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन 101.50 करोड़ रुपये है.

शाहरुख खान की एक्शनर 'पठान' और रणबीर कपूर की रोम कॉम 'तू झूठी मैं मक्कार' के बाद 'भोला' दुनियाभर में तीन अंकों का आंकड़ा पार करने वाली तीसरी बॉलीवुड फिल्म गई है. बता दें कि 'पठान' ने ग्लोबली 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है वहीं रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर-स्टारर रोमांटिक कॉमेडी 'तू झूठी मैं मक्कार' ने दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा बटोरे हैं. 'भोला' की बात करें तो यह अजय देवगन के डायरेक्शन में बनी चौथी फिल्म है. सुपरस्टार ने अपने निर्देशन की शुरुआत 2008 की रोमांटिक ड्रामा 'यू मी और हम' से की थी. इस फिल्म में अजय ने अपनी एक्ट्रेस वाइफ काजोल के साथ अभिनय किया था. इसके आठ साल बाद अपने अगले निर्देशन 'शिवाय' के साथ लौटे जो 2016 में रिलीज हुई एक्शन-थ्रिलर थी. छह साल के गैप के बाद साल 2022 में उन्होंने 'रनवे 34' का डायरेक्शन किया. अजय की लेटेस्ट डायरेक्शनल 'भोला' है.भोला में अजय देवगन और तब्बू के अलावा, दीपक डोबरियाल, संजय मिश्रा, अमाला पॉल और गजराज राव सहित कई कलाकारों ने कमाल की एक्टिंग की है. ये फिल्म 2019 में रिलीज़ हुई तमिल फिल्म 'कैथी' की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है.

पिंक ब्रालेट टॉप पहनकर पलक तिवारी ने दिखाया ग्लैमरस अवतार

एक्ट्रेस पलक तिवारी इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड पोस्ट से तहलका मचा रही हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान की इस मूवी में पलक तिवारी रोल प्ले कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग नजर आ रही हैं। श्वेता तिवारी की बटी पलक तिवारी इन दिनों अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस और ग्लैमरस लुक्स के कारण सुर्खियों में बनी हुई हैं। 22 साल की पलक तिवारी ने बेहद ही कम उम्र में इंडस्ट्री में अपनी अच्छी-खासी जान पहचान बना ली है। हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट लुक देख कर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अपनी लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पलक तिवारी ने पिंक कलर का ब्रालेट टॉप कैरी किया है, जिसका नेक काफी डीप है। एक्ट्रेस ने इसके साथ ही ब्लू डेनिम जींस और हाई हील्स पहनी हुई है। उनका ये लुक फैंस को बेहद शानदार लग रहा है। पलक तिवारी अपने हर अंदाज में बेहद ही कातिलाना नजर आती हैं। उनका हर लुक लोगों के बीच आते ही वायरल होने लगता है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

टाइगर बनाम पठान को ग्लोबल बनाने की तैयारी में वाईआरएफ,खलनायक के रूप में नजर आएंगे एचमैन

पठान की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा ने स्पाई यूनिवर्स को ग्लोबल बनाने की तैयारियों में हैं। पिछले दिनों की गई उनकी घोषणा कि आने वाले समय में दर्शकों को इस बैनर की वॉर-2 के बाद टाइगर वर्सेज पठान देखने को मिलेगी जिसका निर्देशन वॉर और पठान का निर्देशन करने वाले सिद्धार्थ आनन्द करेंगे। वर्ष 2025 में प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस अभी से उत्साहित और आशान्वित नजर आ रहा है। पठान में सलमान खान के कैमियो को लेकर दर्शकों ने जो उत्साह दिखाया उसी के बाद निर्माताओं ने टाइगर बनाम पठान को एक साथ परदे पर लाने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि आदित्य चोपड़ा की पूरी प्रोडक्शन टीम अब टाइगर वर्सेज पठान को ऐतिहासकि ब्लॉकबस्टर बनाने की तैयारी में है। इन्हीं चर्चाओं के बीच सिने गलियारों में बहती हवाओं ने दावा किया है कि टाइगर बनाम पठान को ग्लोबल फिल्म बनाने का प्रयास शुरू कर दिया गया है। बताया जा रहा है इस फिल्म में हॉलीवुड फिल्म एचमैन में एचमैन के रूप में नजर आए अभिनेता जेसन मोमोआ को बतौर खलनायक हिन्दी सिनेमा में पेश किया जाएगा। फिल्म में वह सलमान और शाहरुख से दो-दो करते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही हवाओं का यह भी कहना है कि टाइगर बनाम पठान की कहानी मार्वल स्टूडियोज की फिल्म कैप्टन अमेरिका: सिविल वॉर की तरह होगी। जिसमें दो जिगरी दोस्त आयरन मैन और कैप्टन अमेरिका आमने-सामने थे, उसी तरह टाइगर और पठान भी आमने-सामने होंगे।

इसी बीच सोशल मीडिया पर जेसन मोमोआ से जुड़े कुछ ट्वीट्स भी वायरल हो रहे हैं। ऐसे ही एक ट्वीट में लिखा गया है, यशराज प्रोडक्शन और सिद्धार्थ आनंद के बीच शुरुआती चर्चा में किसी बड़े हॉलीवुड स्टार को टाइगर वर्सेज पठान में विलेन बनाने की तैयारी है। सलमान खान और शाहरुख खान की इस फिल्म में अभी फिलहाल एचमैन जेसन मोमोआ को कास्ट करने की तैयारी है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के लिए सलमान खान और शाहरुख खान को बराबर फीस दी जाएगी। अगर जेसन मोमोआ इस फिल्म से जुड़ते हैं तो यह टाइगर वर्सेज पठान को ग्लोबल फिल्म बना देगी। टाइगर वर्सेज पठान कथित तौर पर बॉलीवुड की अब तक की सबसे महंगी फिल्म होगी।

जीरो पॉवर कट और बिजली बिल हॉफ योजना से आम लोगों को मिली बड़ी राहत

» पावर कम्पनीज के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कैश लेस चिकित्सा सुविधा जल्द होगी लागू

» अभियंता संवर्ग को मिलेगा 3 प्रतिशत तकनीकी भत्ता

» पॉवर इंजीनियर्स कॉन्क्लेव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर,16 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ जीरो पॉवर कट प्रदेश है और बिजली बिल हाफ योजना से लोगों को बड़ी राहत मिली है। हमारी सरकार द्वारा बिजली बिल हाफ योजना के माध्यम से अब तक 42 लाख उपभोक्ताओं को 3236 करोड़ रूपए की छूट दी गई है। वर्ष 2018 में जहां पीक ऑवर में 4100 मेगावाट विद्युत की खपत थी, वहीं 2023 में यह मांग बढ़कर 5100 मेगावाट होने पर भी प्रदेश में लगातार बिजली आपूर्ति निर्बाध गति से चल रही है। यह बातें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय पॉवर इंजीनियर्स कॉन्क्लेव 2023 को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पावर कम्पनीज के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कैश लेस चिकित्सा सुविधा जल्द लागू करने तथा छत्तीसगढ़ पावर कम्पनीज के अभियंता संवर्ग को 3 प्रतिशत तकनीकी भत्ता दिए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल अभियंता संघ के कार्यालय का वर्चुअल लोकार्पण तथा पॉवर सेक्टर की महत्वपूर्ण जानकारियों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया। कॉन्क्लेव के प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी और भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि पहले लोग बिना बिजली के भी जीवन यापन कर लेते थे, किंतु अब बिना बिजली के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। बिजली विलासिता का साधन नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य स्थापना के समय 300 यूनिट प्रति व्यक्ति बिजली की खपत थी, जो अब बढ़कर 2000 यूनिट प्रति व्यक्ति हो चुका है। लगातार बढ़ती हुई विद्युत खपत और उसी के अनुरूप आपूर्ति राज्य के विकास का सूचक है।

उन्होंने शासन के महत्वपूर्ण निर्णय का जिक्र करते हुए कहा कि कोरबा में 1320 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट की स्वीकृति दी गई है। जो प्रदेश को जीरो पावर कट स्टेट बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत ग्रीन एनर्जी को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया और कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में हम सभी ने ऑक्सीजन के महत्व को भी समझा है। छत्तीसगढ़ में ग्रीन एनर्जी की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 5 हाईड्रल प्लांट लगाए जा सकते हैं, जिससे विद्युत उत्पादन के लिए थर्मल पावर प्लांट पर निर्भरता कम की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विद्युत मण्डल अभियंता संघ को सर्वसुविधायुक्त कार्यालय मिलने पर बधाई दी। विद्युत मण्डल अभियंता संघ ने मुख्यमंत्री को इस अवसर पर स्मृति चिन्ह और शॉल, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। कॉन्क्लेव को ऊर्जा विभाग के सचिव और छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद, राज्य विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष श्री हेमंत वर्मा ने भी सम्बोधित किया। छत्तीसगढ़ विद्युत मण्डल अभियंता संघ के अध्यक्ष श्री राजेश पाण्डेय ने स्वागत भाषण का वाचन किया।

इस अवसर पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्ज्वला बघेल, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज खरे, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजीव कटियार सहित अभियंता संघ के पदाधिकारीगण और प्रदेश भर से आये विद्युत अभियंता उपस्थित थे।

संतों ने लोगों को समानता के साथ जीने का मार्ग बताया: भूपेश बघेल

रायपुर,16 अप्रैल 2023 (ए)। मुख्यमंत्री बघेल रविवार को महादेव घाट रोड स्थित सतनाम भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ मेहर समाज के प्रदेश स्तरीय सामाजिक एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान संत रविदास ने कर्म को ही पूजा कहा। कोई काम छोटा नहीं होता है। लोग अपने विचारों से छोटे होते हैं। भक्तिमार्ग में संत रविदास का नाम पूरी दुनिया में श्रद्धा से लिया जाता है। संतों ने लोगो को समानता के साथ जीने का मार्ग बताया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नया रायपुर में संत रविदास के नाम से चौक का नामकरण तथा रविदास की जयंती मनाने के लिए प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि संविधान में लोगों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को मजबूत करने तथा उनको योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 1 अप्रैल से सर्वे का कार्य किया जा रहा है।

राज्य में किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने अब अगले सीजन से 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जाएगी। ग्रामीण औद्योगिक पार्क से लोगों को परंपरागत कार्यों को करने का अवसर मिलेगा। आम नागरिकों के लिए सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आदर्श विवाह कर नव दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करने वाले चार जोड़ो को आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही समाज के उत्कृष्ट कलाकार, विभिन्न राजनीतिक पदों पर आसीन समाज के प्रतिनिधियों, समाज के 6 लोगों को मेहर रत्न तथा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

अतीक-अशरफ हत्याकांड के बाद सीएम भूपेश बघेल का बड़ा बयान

रायपुर ,16 अप्रैल 2023 (ए)। अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद सियासी कबीले में बयानों के ढेर लग गए है। वही दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देर शाम अतीक-अशरफ के कब्रगाह होने के बाद बयान दिया है। योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था कि यहां से गुंडे भाग गए हैं, लेकिन लोग जेल से बैठकर लोगों की हत्या की साजिश कर रहे हैं। पुलिस के घेरे में गोली मारना कैसे संभव है? गुंडे उत्तर प्रदेश में खुले आम घूम रहे हैं, सारे दावे गलत हैं, उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।

भूपेश बघेल ने कहा- योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था कि यहां से गुंडे भाग गए हैं, लेकिन लोग जेल से बैठकर लोगों की हत्या की साजिश कर रहे हैं। पुलिस के घेरे में गोली मारना कैसे संभव है? गुंडे उत्तर प्रदेश में खुले आम घूम रहे हैं, सारे दावे गलत हैं, उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।

राजधानी के जयस्तंभ चौक में आप कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सीबी की पूछताछ का मामला

रायपुर ,16 अप्रैल 2023 (ए)। आबकारी घोटाला मामले में पूछताछ के लिए आज रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सीबीआई मुख्यालय पहुंचे हैं। मामले में सीएम से एक घंटे से अधिक समय से सीबीआई की पूछताछ जारी है। केजरीवाल को सीबीआई द्वारा बुलाए जाने को लेकर देशभर में विरोध किया जा रहा है। वहीं राजधानी रायपुर में भी इसका जमकर विरोध देखने को मिल रहा है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर बैठ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

रायपुर में आप कार्यकर्ता प्रदर्शन करने के बाद जयस्तंभ चौक पर बीच सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सड़क से हटाया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झूमा-झटकी हुई। वहीं आप के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं आप के जिला सचिव विजय कुमार झा ने कहा कि केंद्र सरकार आम आदमी पार्टी के लोगों को परेशान कर रही है। सीबीआई ने केंद्र के इशारे पर ही अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया है। 2023 और 2024 के चुनाव में आम आदमी पार्टी पूरे दम के साथ चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाएगी। केंद्र सरकार कितना भी दबाव बनाने की कोशिश करें आप के कार्यकर्ता लड़ेंगे ।

कांग्रेस राज में सरकारी अस्पताल वेंटिलेटर पर

रायपुर,16 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व भाजपा विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने राज्य के सबसे बड़े अंबेडकर अस्पताल सहित सभी सरकारी अस्पतालों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक दुर्दशा का हवाला देते हुए कहा है कि भूपेश बघेल के राज में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। कांग्रेस सरकार की लापरवाही से छत्तीसगढ़ के गरीब बेमौत मर रहे हैं। भूपेश बघेल ने गरीबों की छत छीनी तो टीएस सिंहदेव ने पंचायत विभाग छोड़ दिया। भूपेश बघेल गरीबों की जान से खेल रहे हैं तो अब सिंहदेव या तो जनता के प्रति स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संवेदनशील दृढ़ता से निभाएं और अस्पतालों की जरूरत पूरी करें। अन्यथा पंचायत विभाग की तरह स्वास्थ्य विभाग भी छोड़ने की नैतिकता दिखाएं। भूपेश बघेल से तो तनिक भी नैतिकता की उम्मीद नहीं कर सकते लेकिन सिंहदेव से उम्मीद की जा सकती है। यदि वे जनता की जिंदगी से खिलवाड़ को चुपचाप बैठे बर्दाश्त करते रहे तो यही माना जायेगा कि उन्हें छत्तीसगढ़ियों की जान से ज्यादा अपनी कुर्सी प्यारी है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बांधी ने कहा कि जब राजधानी के अंबेडकर अस्पताल में सभी प्रकार की जांच की मशीनें कबाड़ में बदल जाये, जांच के अभाव में मरीजों का उपचार बाधित हो, जब स्वास्थ्य मंत्री के अपने इलाके के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लापरवाही से मासूम नवजात शिशुओं की मौत हो जाये, जब आये दिन बस्तर में डेरा डालने वाले मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री अज्ञात बीमारी से आदिवासियों को मरने छोड़ दें, जब इनके राज में 25 हजार शिशुओं की मृत्यु हो जाये, जब इनके राज में पूरे छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था दम तोड़ दे, तब इन्हें कुर्सी से चिपके रहने का कोई अधिकार नहीं है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बांधी ने कहा कि भाजपा की डॉ. रमन सिंह सरकार के समय उपलब्ध कराई गई मशीनों का भूपेश सरकार रखरखाव तक नहीं कर सकी। सभी प्रकार की जांच मशीनें जब अंबेडकर अस्पताल में बंद हैं तब सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

राज्य सरकार ने बेरोजगारों के लिए दिया एक और अच्छा अवसर

» बेरोजगारी भत्ता निरस्त न हो इसलिए ये व्यवस्था

रायपुर,16 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के बेरोजगारों के लिए राज्य सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है। ऐसे बेरोजगार युवक जिनका रोजगार पंजीयन के नवीनीकरण की तारीख मार्च 2023 है, उन्हें दो महीने का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इस संबंध में रोजगार एवं प्रशिक्षण डायरेक्टर अवनीश शरण ने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पत्र लिखा है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बेरोजगारों को हर महीने 2500 रुपए भत्ता देने का निर्णय लिया है। इसमें रोजगार कार्यालय में पंजीयन के संबंध में भी एक शर्त है। ऐसे बेरोजगार जिनके पंजीयन के लिए नवीनीकरण इस साल मार्च में उल्लेखित है तो उन्हें बेरोजगारी भत्ते के लिए पात्र नहीं माना जाएगा। ऐसी परिस्थितियां सामने आने के बाद राज्य सरकार ने 2 महीने का समय देने का निर्णय लिया है।

जनता को अब भी कोविड का कोई खौफ नहीं

» न मास्क,न सोशल डिस्टेंस,

» लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस से लोग नहीं ले रहे सबक

बिलासपुर ,16 अप्रैल 2023 (ए)। अस्पतालों में इन दिनों मरीजों की भीड़ देखी जा रही है ।अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित मरीजों के बीच कोरोना संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। लेकिन हालात यह है कि इन मरीजों को मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग की याद दिलाने वाला भी कोई नहीं है। अस्पताल प्रबंधन इन्हें अपने हाल में छोड़ चुका है। ऐसे में आने वाले दिनों में कोरोना के और बढ़ने की आशंका भी बनी हुई है।

कुछ दिन पहले ही राज्य सरकार ने जिले के कलेक्टरों को कोविड की रोकथाम करने के निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश सीएमएचओ और सिविल सर्जन, डीन और अस्पताल अधीक्षकों के पास भी हैं। लेकिन आदेश का असर कहीं दिखाई नहीं देता। जिला अस्पताल एवं सिम्स जैसे सरकारी अस्पतालों में ही कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ती रही है। ओपीडी ,आईपीडी और वार्ड में मरीज बिना मास्क के नजर आए वहीं काउंटर में खड़े लोगों के बीच 2 इंच की ही दूरी थी ।जबकि कोविड के तहत 2 गज की दूरी जरूरी है ।इसके संबंध में प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों से मिलने पहुंचे तो कोई ऑपरेशन में था या निरीक्षण, मीटिंग का बहाना बताकर जिम्मेदारी से बचते नजर आए।

हनी सिंह पहुंचे राजधानी में

रायपुर,16 अप्रैल 2023 (ए)। हनी सिंह रायपुर पहुंच चुके हैं. आयोजकों को दावा है कि लाइव कॉन्सर्ट कार्यक्रम में 10 हजार लोगों की भीड़ जुट सकती है। रायपुर शहर के कई हिस्सों में कॉन्सर्ट के आयोजकों ने अवैध होर्डिंग्स लगाए हैं। बता दें कि हनी सिंह के कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा थाना इलाके में हो रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर शिकायत भी थाने में की गई है। शिवसैनिकों ने पुलिस से कहा है कि इस तरह के आयोजनों में अश्लील गतिविधियां होती हैं। शिव सैनिकों ने मांग रखी है कि कार्यक्रम में नाबालिगों को शराब परोशने और गानों में फुहड़ता सामने आने पर कार्यक्रम के बीच में रोका जाएगा।

बता दें कि जनता से रिश्ता ने भी हनी सिंह का लाइव कॉन्सर्ट कार्यक्रम करवाया था. जिस पर शिव सैनिकों ने आपत्ति जताई थी.

बता दें कि हनी सिंह एक भारतीय पंजाबी भाषा रैप गायक, संगीतकार, गायक और फिल्म अभिनेता हैं। हनी सिंह ने अपने कार्यकाल की शुरुआत एक सत्र और रिकॉर्डिंग कलाकार के तौर पर 2004 में की थी और जल्द ही वह एक भांगड़ा संगीतकार बन गए। हनी सिंह ने अपना हाथ बॉलीवुड में भी आज़माया है। रैप गायन इन्होने इंगलैंड के ट्रिनिटी विश्वविद्यालय (स्कूल ऑफ ट्रिनिटी) में सीखा था

विधानसभावार समीक्षा करेंगे भाजपा के प्रमुख नेता

रायपुर ,16 अप्रैल 2023 (ए)। जिला भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में रविवार सुबह जिला अध्यक्ष जयंती भाई पटेल के नेतृत्व में बूथ सशक्तिकरण के संबंध में अवश्य बैठक आहूत की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 16 से 20 अप्रैल तक होने वाली समीक्षा बैठकों हेतु सभी जिला एवं मंडल पदाधिकारियो को उचित दिशानिर्देश प्रदान करना था। समीक्षा बैठक के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह , क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय उपस्थित रहेंगे, इसलिए सभी प्रभारियों को पूरी तैयारी के साथ आने के दिशा निर्देश दिए गए है। समीक्षा विधानसभा वार की जाएगी। कितना कार्य पूर्ण हुआ और यदि अधूरा है तो उसके पीछे क्या समस्या है।

रायपुर ग्रामीण में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, रायपुर पश्चिम क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, रायपुर दक्षिण एवं उत्तर की समीक्षा बैठक राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय लेंगी। ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व ने हर जिले के बूथों की मजबूती हेतु महाभियान चलाया है। प्रदेश भाजपा को भी बूथ सशक्तिकरण अभियान चला कर विभिन्न बिंदुओं के आधार पर बूथ में अलग अलग टोली निर्माण के दिशा निर्देश दिए गए। जिला नेतृत्व को निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर बूथ में टोली निर्माण का लक्ष्य दिया गया था।

भाजपा रायपुर शहर जिला ने जयंती भाई पटेल के नेतृत्व में नियत तिथि तक बूथ सशक्तीकरण का कार्य लगभग पूर्ण किया जा चुका है। केंद्रीय दिशनिर्देशों के आधार पर, विभिन्न बिंदुओं के आधार पर जिसमे प्रभावी मतदाता प्रमुख , वरिष्ठ मतदाता प्रमुख , युवा प्रमुख , समाजिक प्रमुख , व्हाट्स ग्रुप निर्माण , बूथों की , क्ष ष्ट के आधार पर ग्रेडिंग करना और हितग्रहि प्रमुख का निर्माण करना जैसे अन्य बिंदुओं के आधार पर बूथ सशक्तिकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है जिसकी सरल पोर्टल में एंट्री जारी है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगी। समीक्षा बैठक में शक्तिकेन्द्र प्रभारी , संयोजक और सहसंयोजक को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना है। बैठक में समन्वय हेतु विधानसभा स्तर पर एक संयोजक की नियुक्ति की जाएगी। शक्तिकेन्द्र संयोजक और सहसंयोजक के मध्य बूथों का विभाजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुवात में हितग्रहियो का सम्मान किया जाना तय जो भाजपा कार्यकर्ता परिवार से न हो।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)